Website:- www.Janmarg.com

TITLE CODE:- T/RJ/2024/211

e-mail :morningjanmarg@gmail.com

ओटीटी पर रिलीज हुई स्काई फोर्स 4

निष्पक्ष एवं निर्भीक दैनिक

जनमार्ग

लोकतंत्र व निष्पक्षता का मार्ग प्रातःकालीन समाचार पत्र

वर्ष : 2 ● अंक : 1 ● श्रीगंगानगर, रविवार, 09.03.2025 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रुपये ● मो. 93526-86083, 77421-86692, 0154-2970692

व्हॉट्सअप ग्रुप से हटाने पर एडमिन की हत्या

जनमार्ग न्यूज

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य की राजधानी पेशावर में व्हाट्सअप ग्रुप से निकाले जाने से नाराज एक व्यक्ति ने ग्रुप एडमिन की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह घटना पेशावर के बाहरी इलाके रेगी में हुई। अभी तक आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। पुलिस के मुताबिक मुश्ताक अहमद नाम के व्हाट्सअप एडमिन ने अशफाक खान को ग्रुप से बाहर कर दिया था। इसके बाद दोनों के बीच विवाद हो गया था। गुरुवार को दोनों मिलकर विवाद खत्म करने के लिए राजी हो गए थे, लेकिन अशफाक ने मिलते ही मुश्ताक की गोली मारकर हत्या कर दी। अभी तक यह नहीं पता नहीं चल पाया है कि अशफाक को ग्रुप से क्यों हटाया था। आरोपी को पकड़ने के लिए छापेमारी जारी मृतक के भाई हुमायूं खान ने मीडिया से कहा कि मैं मौके पर मौजूद था, लेकिन मुझे दोनों की लड़ाई के बारे में कुछ भी नहीं पता था।

राजस्थान के बिना बॉलीवुड की कल्पना नहीं : भजनलाल

● जयपुर में आईफा 2025 का भव्य आगाज ● शाहरूख, करीना व नोरा सहित कई बड़े स्टार पहुंचे

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान की राजधानी पिंक सिटी जयपुर में इस साल का आईफा अवॉर्ड्स भव्य तरीके से आयोजित किया जा रहा है। नोवोटल ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मुझे खुशी है कि देश में दूसरी बार आईफा का आयोजन राजस्थान में हो रहा है। इस आयोजन से राज्य में टूरिज्म के नए रास्ते खुलेंगे। हर साल हजारों शादियां यहां के महल, होटल और हवेलियों में होती हैं। भजनलाल ने कहा कि पिछले एक साल में 61 मूवी, वेब सीरीज, टीवी शो की शूटिंग हुई है। यहां के पहाड़ और अभ्यारण फिल्मकारों को एक केनवास देते हैं। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि आईफा की घोषणा से ही हम आप सबके यहां आने का इंतजार कर रहे थे। बॉलीवुड के दिग्गज सितारे कार्तिक आर्यन, करण जौहर, माधुरी दीक्षित, बॉबी देओल, करीना कपूर और कृति सेनन जैसे कलाकार इस समारोह में शामिल हुए। इस प्रेस कांफ्रेंस में सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की धरती सिनेमा के लिए स्वर्ग है। हम तो भाग्यशाली हैं कि आईफा जयपुर में हो रहा है। यह सिर्फ अवॉर्ड समारोह नहीं, बल्कि सिनेमा और संस्कृति के वैश्विक विस्तार का प्रतीक है। सीएम भजनलाल ने राजस्थान की खूबसूरती और फिल्म उद्योग के लिए इसकी उपयोगिता पर जोर देते हुए कहा कि राजस्थान के बिना बॉलीवुड की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यहां का रेगिस्तान, अरावली की पहाड़ियां, चंबल के खूबसूरत घाट, विशाल किले और वन्य अभयारण्य फिल्म निर्माताओं के सपनों को साकार करने के लिए बेहतरीन कैनवास प्रदान करते हैं। सीएम भजनलाल ने कहा कि हमारी सरकार फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम के तहत 15 दिनों में फिल्म निर्माण की अनुमति देती है। सीएम भजनलाल ने फिल्म जगत के दिग्गजों को राजस्थान में शूटिंग करने का न्योता दिया और कहा कि जो रंग और संस्कृति फिल्म इंडस्ट्री चाहती है, वह सब राजस्थान में उपलब्ध है। हमारी 8 करोड़ जनता और सरकार, फिल्म जगत के लोगों के स्वागत के लिए हमेशा तैयार है। राजस्थान की डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान कला और संस्कृति की भूमि है। आईफा जैसे आयोजन से यहां के पर्यटन और फिल्म इंडस्ट्री को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। उन्होंने इस बार आईफा के ग्रीन कारपेट पर जोर देते हुए कहा कि हम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बेहतर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में भी राजस्थान अव्वल रहा है।

लाडो प्रोत्साहन योजना की राशि 1.50 लाख हुई

● मातृ वंदन योजना के तहत अब तक पांच लाख महिलाओं को लाभ मिल चुकाः सीएम

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सीएम भजनलाल शर्मा ने लाडो प्रोत्साहन योजना में दी जाने वाली राशि को एक लाख से बढ़ाकर डेढ़ लाख किए जाने की घोषणा की। दरअसल, 8 मार्च को राजस्थान सरकार ने बिड़ला ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय महिला सम्मान समारोह आयोजित किया। यहां सीएम ने कहा हर क्षेत्र में महिलाओं के हर क्षेत्र क्षेत्र में उपलब्धि हासिल की है। चाहे वह राजनीति हो या फिर अन्य क्षेत्र महिलाओं ने हर फील्ड देश को गौरवान्वित किया है। बच्चे को पालकर बड़ा कर बड़ा करने वाली गुरु मां होती है। नारी धैर्य, संवेदनशीलता और सौम्यता जैसे गुणों की पहचान है। सीएम ने कहा हम पीएम मोदी के विजन पर काम कर रहे हैं। मातृ वंदन योजना के तहत अब तक पांच लाख महिलाओं को लाभ मिल चुका है। वहीं लखपति दीदी योजनाओं से कई महिलाओं को फायदा मिला है। हम सबके लिए गौरव की बात है कि देश और प्रदेश दोनों का बजट महिला वित्त मंत्री ने पेश किया। यहां उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि आज का दिन महिलाओं के लिए उत्सव और गौरव का दिन है। राजस्थान सरकार इस साल बजट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, साथिनों और मानदेय कर्मियों का मानदेय 10 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। राज्य सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का काम कर रही है।

फ्री ट्रैफिक मूवमेंट के पहले दिन हिंसा में 1 की मौत, 25 घायल

● कुकी समुदाय के लोगों ने बसें रोकीं
● सुरक्षाबलों ने आंसू गैस छोड़ी

जनमार्ग न्यूज

मणिपुर। मणिपुर में कुकी और मैतेई बहुल इलाकों में करीब 2 साल बाद फ्री ट्रैफिक मूवमेंट शुरू होते ही हिंसा भड़क उठी। इंफाल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, विष्णुपुर और सेनापति को जोड़ने वाली सड़कों पर शनिवार को जैसे ही बसें चलनी शुरू हुईं, कुकी समुदाय के लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में एक पुरुष प्रदर्शनकारी की मौत हो गई, जबकि 25 अन्य घायल हैं। मृतक की पहचान लालगौथांग सिंगसिट (30 साल) के रूप में हुई है। लालगौथांग झड़प के दौरान गोली लगने से घायल हुआ था। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। सुरक्षाबलों के पैलेट गन इस्तेमाल करने की खबर प्रदर्शनकारियों ने आवाजाही रोकने के लिए सड़कों पर पत्थर बिछा दिए। सड़कों पर पेड़ काटकर गिरा दिए। कई जगह गाड़ियां खड़ी कर सड़कें रोक दीं। बसों, कारों में आग लगा दी। हिंसा कर रहे लोगों को रोकने के लिए सुरक्षाबलों ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। जवाब में प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी की। सुरक्षाबलों की ओर से पैलेट गन का इस्तेमाल होने की भी खबर है। कुछ तस्वीरों-वीडियोज में घायलों के शरीर पर पैलेट गन के छर्रों के निशान दिख रहे हैं। इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इंफाल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, विष्णुपुर और सेनापति इलाकों में जा रही सरकारी बसों को सीआरपीएफ और स्थानीय पुलिस की सुरक्षा में चलाया गया। इसके अलावा रेड जोन वाले इलाकों में जगह-जगह सुरक्षाबलों की तैनाती की गई।

दिल्ली की गरीब महिलाओं को हर महीने 2500 मिलेंगे

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर महिला समृद्धि योजना लॉन्च कर दी। इसमें बीपीएल (गरीबी) परिवार की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए दिए जाएंगे। दिल्ली में 72 लाख महिला मतदाता हैं। अनुमान है कि करीब 20 लाख महिलाओं को इस योजना का फायदा मिलेगा। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में योजना शुरू करने की घोषणा की। इससे पहले शनिवार सुबह दिल्ली कैबिनेट की बैठक में योजना को मंजूरी दी गई। योजना लॉन्च करते हुए नड्डा ने कहा कि मैं सीएम रेखा गुप्ता और अन्य लोगों को बधाई देता हूं कि दिल्ली में इस योजना को लागू करने के लिए 5100 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। योजना तुरंत शुरू की जाएगी। भाजपा की चुनावी सफलता में महिलाओं की भूमिका को स्वीकार करते हुए नड्डा ने कहा, दिल्ली की जीत महिलाओं के समर्थन के बिना संभव नहीं थी।

कोचिंग स्टूडेंट की आत्महत्या रोकने के बिल को कैबिनेट में मंजूरी

● मनमानी फीस नहीं वसूल पाएंगे कोचिंग सेंटर्स

जनमार्ग न्यूज

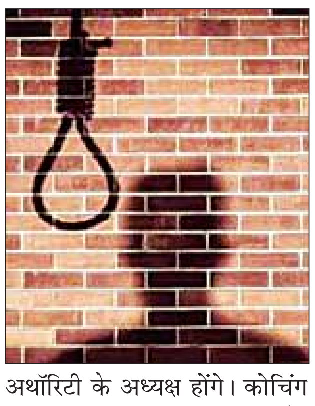

जयपुर। प्रदेश में कोचिंग स्टूडेंट की आत्महत्या रोकने और कोचिंग सेंटर पर कंट्रोल के लिए सरकार बिल लाएगी। सीएम भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में राजस्थान कोचिंग इंस्टीट्यूट कंट्रोल्ड एंड रेगुलेशन बिल 2025 को मंजूरी दी गई है। विधानसभा के मौजूदा बजट सत्र में ही इस बिल को पारित करवाने की तैयारी है। बिल के प्रावधानों के मुताबिक 50 या इससे ज्यादा विद्यार्थियों वाले कोचिंग सेंटर्स को कानूनी दायरे में लाया जाएगा। 50 या इससे ज्यादा स्टूडेंट वाले कोचिंग सेंटर्स को रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा। प्रदेश में राजस्थान कोचिंग इंस्टीट्यूट कंट्रोल्ड एंड रेगुलेशन अथॉरिटी का गठन किया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग के प्रभारी सचिव इस अथॉरिटी के अध्यक्ष होंगे। कोचिंग सेंटर्स पर मॉनिटरिंग और विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एक राज्य स्तरीय पोर्टल और काउंसिलिंग के लिए हेल्पलाइन भी बनाई जाएगी। इस बिल के कानून के बाद हर कोचिंग सेंटर को रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य हो जाएगा। बिल में कोचिंग सेंटर्स पर निगरानी और नियंत्रण के कड़े प्रावधान होंगे। कोचिंग सेंटर्स मनमानी फीस नहीं वसूल पाएंगे। स्टूडेंट्स को तनाव मुक्त माहौल देना होगा। स्टूडेंट की मेंटल हेल्थ को ध्यान में रखना होगा।

सरकारी ऑफिस में मृत मिला राष्ट्रीय पक्षी मोर

जनमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। चंडीगढ़ सेक्टर-33 स्थित वित्त एवं योजना ऑफिस में राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत हो गई। 22 फरवरी को मोर ऑफिस के अंदर आ गया था, और वहां मौजूद कर्मचारी बाहर से ताला बंद कर चले गए। 3 दिन तक ऑफिस बंद रहने के कारण मोर की मौत हो गई। अब थाना 34 पुलिस और फॉरेस्ट विभाग अलग-अलग इस मामले की जांच कर रहे हैं। मोर की मौत के बाद उसे वन विभाग या पुलिस को सूचना दिए बिना ही एक कर्मचारी ने पास के जंगल में दफना दिया। जब इस पूरे मामले की जानकारी मीडिया और पुलिस के उच्च अधिकारियों को मिली तो पुलिस मौके पर पहुंची। कर्मचारी डेविड ने बताया कि जब वह आया तो मोर अंदर मरा पड़ा हुआ था। खिड़की खुली थी, वहां से अंदर चला गया होगा, शायद दम घुटने से उसकी मौत हो गई। मैंने मोर को नहीं दफनाया, अगर किसी ने मुझे देखा हो तो बताओ। मैंने मोर के मरे होने के बारे में किसी को नहीं बताया।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में 3 लापता लोगों के शव मिले

जनमार्ग न्यूज

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में तीन लापता लोगों के शव बिलिवार की ऊपरी पहाड़ियों पर मिले। इनमें एक बच्चा भी शामिल है। सभी तीन दिन पहले आतंकवाद प्रभावित इलाके से लापता हुए थे। इनकी पहचान जोगेश सिंह (35 साल), दर्शन सिंह (40 साल) और वरुण सिंह (14 साल) के रूप में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक तीनों 6 मार्च की रात करीब 8.30 बजे एक शादी में शामिल होने के लिए निकले थे। इसके बाद से ही गायब थे। इनमें से एक ने दो दिन पहले अपने परिवार से संपर्क किया था। उसने बताया था कि वे शादी से वापस आते समय जंगल में रास्ता भटक गए हैं।

ट्रक से 78 लाख की 980 कार्टून अवैध अंग्रेजी शराब जब्त

● पंजाब से गुजरात जा रहा ट्रक पकड़ा, ड्राइवर फरार ● आबकारी विभाग की कार्रवाई

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ के नोहर क्षेत्र में आबकारी विभाग ने अवैध शराब परिवहन के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए शराब से भरा एक ट्रक पकड़ा है। यह ट्रक पंजाब से शराब लेकर गुजरात की ओर जा रहा था। इस ट्रक में भरी शराब की अनुमानित कीमत करीब 78 लाख रुपए बताई जा रही है। आबकारी विभाग की टीम ने इस कार्रवाई में सफलता प्राप्त करते हुए ट्रक को पकड़ लिया, हालांकि ट्रक चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। आबकारी विभाग के नोहर क्षेत्र के निरीक्षक अमर सिंह ने बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी, जिसके बाद उन्होंने शनिवार अल सुबह अपनी टीम के साथ रावतसर क्षेत्र स्थित सीपीएस रिसॉर्ट के पास नाकाबंदी की। इस दौरान, ट्रक संख्या यूपी 78 डीएन 4225 को रोका गया और उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान ट्रक में पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब के विभिन्न ब्रांडों के 980 कार्टून पाए गए, जिनमें कुल 11,760 शराब की बोतलें थीं। पकड़ी गई शराब की कुल कीमत करीब 78 लाख रुपए तक बताई जा रही है। निरीक्षक अमर सिंह ने बताया कि यह शराब पंजाब से हनुमानगढ़-बीकानेर होते हुए गुजरात भेजी जानी थी। इस बड़ी कार्रवाई को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले दो महीने में इस तरह की पांच बड़ी कार्रवाइयां की जा चुकी हैं और भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाइयों का सिलसिला जारी रहेगा।

छोटे को छोड़ बड़े का विवाह तय करने पर हंगामा

● मौके पर पहुंचे एक पुलिस कांस्टेबल का हाथ काटा

जनमार्ग न्यूज

बीकानेर। बड़े भाई को छोड़कर छोटे भाई का विवाह तय करना एक परिवार के लिए मुसीबत बन गया। बड़े भाई ने इतना हंगामा कर दिया कि पुलिस मौके पर पहुंच गई। इतना ही नहीं गुस्से में बड़े भाई ने पुलिस के एक जवान का हाथ काट दिया तो दूसरे के सिर पर ईंट दे मारी। दोनों पुलिसकर्मी इस समय पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती है। बीकानेर के पांचू थाना क्षेत्र के गांव भादला का मामला है। भादला में रहने वाला प्रेम सिंह इस बात से नाराज था कि उसके छोटे भाई का विवाह तय कर दिया गया लेकिन उसका विवाह नहीं किया गया। इस कारण वो कुछ दिन से नाराज था। शनिवार को सुबह करीब दस बजे वो अपने कमरे में बंद हो गया। घर वालों को धमकी दी कि आग लगाकर खुद को खत्म कर लेगा। पेट्रोल की एक बोतल भी उसके पास थी।

अपने आसपास की ताजा घटनाओं एवं दुर्घटनाओं की जानकारी व फोटो मो. 94140-87692, 77421-86692, 93526-86083 पर देवें। E-mail: Morningjanmarg@gmail.com

सम्पादकीय

भाषा की सियासत

भैया जी जोशी ने बेशक सफाई दे दी हो, लेकिन उनके बयान पर विवाद थमा नहीं। वे अपने ही बयान को लेकर जिस तरह दोहरी स्थिति में हैं, उससे लगता है कि मराठी बनाम गैर-मराठी की राजनीति को हवा दी जा रही है। भाषा पर राजनीति इन दिनों बढ़ गई है। कुछ दिनों पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने राज्य में हिंदी थोपने और प्रादेशिक भाषा को नष्ट करने का आरोप केंद्र पर लगाया था। यह विवाद ठंडा भी नहीं हुआ था कि अब मराठी को लेकर सियासत गरमा गई है। संघ के नेता सुरेश भैया जी जोशी का यह बयान सुर्खियों में है कि मराठी मुंबई की भाषा है और बाहरी लोगों और अन्य भाषाएं बोलने वालों को भी इसे समझना और सीखना चाहिए। जबकि एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि मुंबई की कोई एक भाषा नहीं। कोई दो मत नहीं कि महाराष्ट्र और मुंबई में मराठी को राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान के रूप में देखा जाता है। यहां की राजनीतिक अस्मिता इसी से तय होती है। मगर यह किसी को नहीं भूलना चाहिए कि भारत विविध संस्कृतियों और भाषाओं वाला देश है। लोग एक से दूसरे राज्य में रोजी-रोटी के लिए जाते हैं, तो अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा-बोली भी साथ लेकर जाते हैं। हर राज्य में भाषा का सौंदर्य इसी से समृद्ध होता है। इसका उदाहरण हम मुंबई में देख सकते हैं। सवाल है कि संघीय ढांचे में रहते हुए हम यह कैसे कह सकते हैं कि दूसरे राज्य से आया व्यक्ति अनिवार्य रूप से संबंधित प्रदेश की भाषा बोले और सीखे? निस्संदेह मराठी महाराष्ट्र की आधिकारिक भाषा है। वहीं मुंबई कई संस्कृतियों और विविध पहचान वाला शहर है। यहां प्रवासियों की संख्या बढ़ने के साथ हिंदी बोलने वालों की संख्या बढ़ी है। क्या यह राजनीति इसी वजह से है? भैया जी जोशी ने बेशक सफाई दे दी हो, लेकिन उनके बयान पर विवाद थमा नहीं। वे अपने ही बयान को लेकर जिस तरह दोहरी स्थिति में हैं, उससे लगता है कि मराठी बनाम गैर-मराठी की राजनीति को हवा दी जा रही है। स्वाभाविक रूप से विपक्ष ने बांटने की राजनीति करने का आरोप लगा कर उन्हें घेरा है। महाविकास अघाड़ी के सभी दल एकजुट हो गए हैं। एक भाषा को संरक्षण तो मिलना ही चाहिए, जब हम दूसरे लोगों की भाषाओं का भी सम्मान करते हैं। भाषा की जड़ें सामाजिक व्यवहार और सद्भाव से ही निर्धारित होती है, विवाद से नहीं।

महिला शिक्षा व सशक्तीकरण एक दूसरे से गहरे से जुड़े हुए हैं, क्योंकि शिक्षा ही वह साधन है, जिसके माध्यम से महिलाएं अपने अधिकारों, अवसरों और जिम्मेदारियों को समझ सकती हैं। शिक्षा के द्वारा ही महिलाओं को आत्मनिर्भर, आत्मसम्मानित और सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। महिला शिक्षा व सशक्तिकरण की प्रक्रिया केवल महिलाओं के व्यक्तिगत विकास के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक शिक्षित महिला ही सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकती है, अपनी सामाजिक स्थिति में सुधार करती कर सकती है व पूरे परिवार और समाज को भी प्रगति की दिशा में ले जा सकती है।

शैक्षिक सशक्तीकरण के अवसर मिले

एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण में शिक्षा की अहम भूमिका होती है। शिक्षा न केवल व्यक्तिगत जीवन को समृद्ध करता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी सहायक है। आज आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने की तरफ भारत आगे बढ़ रहा है। शिक्षा को आत्मनिर्भरता की नींव कहा जा सकता है, क्योंकि जब किसी व्यक्ति या समाज को उचित शिक्षा मिलती है, तो वह न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में सुधार करता है, बल्कि वह देश के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके लिए आवश्यक है कि देश के नागरिक उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करें और उसे अपने जीवन में सही ढंग से लागू करें।

आज कौशल विकास के कई अवसर युवाओं के सामने हैं जिससे वे न केवल रोजगार पा सकते हैं, बल्कि आत्मनिर्भर बनकर देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकते हैं। नई तकनीकों और नवाचारों का ज्ञान प्राप्त कर युवा भारत अपनी एक मजबूत और प्रतिस्पर्धात्मक ताकत बनने की क्षमता रखता है। शिक्षा नागरिकों को अधिकारों, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक तो करती ही है, साथ ही स्वास्थ्य, स्वच्छता जैसे महत्त्वपूर्ण आयामों के प्रति भी नागरिक बोध भी कराती है। यह समाज में जाति, वर्ग, जेंडर विभेद को दूर करने का एक माध्यम भी है ताकि सभी नागरिकों को राष्ट्र के प्रति कर्तव्यनिष्ठ होकर सेवा का समान अवसर उपलब्ध हो सके। स्वावलंबन और नागरिक बोध से युक्त भारत की जनसंख्या न केवल उसकी शक्ति है बल्कि आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने का मार्ग प्रशस्त करती है। इस महती संकल्पना को साकार में करने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इसके लिए महिला शिक्षा के महत्व को समझना आवश्यक है। महिला शिक्षा और सशक्तिकरण एक दूसरे से गहरे से जुड़े हुए हैं, क्योंकि शिक्षा ही वह साधन है, जिसके माध्यम से महिलाएं अपने अधिकारों, अवसरों और जिम्मेदारियों को समझ सकती हैं। महिला शिक्षा के द्वारा ही महिलाओं को आत्मनिर्भर, आत्मसम्मानित और सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। महिला शिक्षा और सशक्तीकरण की प्रक्रिया केवल महिलाओं के व्यक्तिगत विकास के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक शिक्षित महिला ही सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकती है, अपनी सामाजिक स्थिति में सुधार करती कर सकती है तथा पूरे परिवार और समाज को भी प्रगति की दिशा में ले जा सकती है। महिलाओं का शिक्षित होना और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना समाज में समानता की मुख्य कुंजी है। महिलाएं शिक्षा के माध्यम से न केवल रोजगार प्राप्त करती हैं बल्कि वे अपने परिवार की आर्थिक सुदृढ़ीकरण में योगदान करती हैं। इससे महिलाओं के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी होती है और उनकी आर्थिक रूप से निर्भरता समाप्त होती है। आर्थिक सक्षमता महिलाओं में निर्णय की क्षमता का विकास करती है और यही स्थिति उन्हें समाज में बराबरी का स्थान दिलाने में महत्त्वपूर्ण साबित होती है। शिक्षित और आत्मनिर्भर महिलाएं स्वयं और परिवार के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाए रखने में सक्षम होती हैं। वे पोषण, स्वच्छता और देखभाल के महत्व को बेहतर समझती हैं। उनकी यह काबिलियत न केवल उनकी बल्कि पूरे परिवार और समाज की जीवनशैली में सुधार करती है और जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में मदद करती है। समाज में स्वस्थ पीढ़ी का निर्माण तभी संभव है जब उस समाज की महिला सशक्त हो। महिला सशक्तीकरण के लिए आवश्यक है कि महिलाओं को उनके अधिकारों, अवसरों और विकल्पों में पूरा समर्थन मिले, ताकि वे समाज में आत्मनिर्भर, स्वतंत्र और समृद्ध जीवन जी सकें। यह उनके सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और मानसिक सशक्तिकरण से भी जुड़ा हुआ है। यह जरूरी है कि महिलाओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में शिक्षा दी जाए, ताकि वे अपने जीवन के निर्णय खुद ले सकें। महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने के लिए उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। राजनीतिक क्षेत्र में भी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि उनके आत्मविश्वास से उनकी आवाज बुलंद हो और वे नीतियों में परिवर्तन ला सकें। महिला शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर लड़की को शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर मिले, खासकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में। इसके लिए विद्यालयों में इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार और छात्रवृत्तियां प्रदान करना जरूरी है। समाज को भी यह समझने की आवश्यकता है कि महिलाओं का सशक्तिकरण केवल महिलाओं के लिए नहीं, बल्कि समग्र समाज के विकास के लिए आवश्यक है। इसलिए समाज को भी अपनी मानसिकता में बदलाव लाने, भेदभाव को समाप्त कर महिलाओं को समान अधिकार प्रदान करने की पहल करनी चाहिए। महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं की सुरक्षा भी अहम है। सरकार और समाज को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि महिलाएं बिना किसी डर के अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकें। इसके लिए भारत सरकार द्वारा प्रभावी कानून और नीतियां भी लाई गई हैं। महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य के बारे में सही जानकारी देना, उनकी देखभाल भी सशक्तीकरण का एक आवश्यक पहलू है। एक स्वस्थ महिला ही सशक्त बनकर अपने परिवार और समाज का सही दिशा में मार्गदर्शन कर सकती है। इसके लिए हमें शैक्षणिक संस्थानों में भी छात्राओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें गुणात्मक शिक्षा प्रदान कर समान स्तर पर लाना होगा। महिला शिक्षा के माध्यम से उन्हें समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करना हम सबका कर्तव्य है। अगर हम एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र चाहते हैं तो हमें महिलाओं को शिक्षा और सशक्तिकरण के सही अवसर प्रदान करने होंगे।

'आधी आबादी' को पूरा हक मिलना चाहिए

भारत में महिलाएं देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं। यूं तो यह आधी आबादी कभी शोषण तो कभी अत्याचार के मामलों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। हालांकि जब भी हम महिलाओं की समानता की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि किसी भी वर्ग में समानता के लिए सबसे पहले अवसरों की समानता का होना बेहद जरूरी है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि देश में आधी आबादी राजनीति में अभी भी हाशिये पर है। ये स्थिति तब है, जबकि जितनी भी महिलाओं को राजनीति के निचले पायदान से ऊपरी पायदान तक जितना भी और जब भी मौका मिला, उन्होंने अपनी योग्यता और क्षमताओं का लोहा मनवाया है। ऐसे में यह सवाल भी उठना स्वाभाविक है कि आजादी के 75 सालों में लैंगिक समानता की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियां आखिर गिनती की ही क्यों रह गई हैं? आखिर सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक असमानता क्यों बरकरार है? वह भी तब, जब हम इस वर्ग को 'आधी आबादी' का संबोधन देते हैं। यह बात सही है कि स्त्री शक्ति ने देश-दुनिया में समय-समय पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, लेकिन महिलाओं को कमतर होने का अहसास दिलाने की पुरुष वर्ग की मानसिकता आज भी स्त्रियों को उनके हकों से वंचित कर रही है। नारी सशक्तीकरण की बातें कागजी योजनाओं में काफी अच्छी लगती हैं पर धरातल पर अभी काफी कुछ होना बाकी है। खास तौर से आधी आबादी को लोकतांत्रिक व्यवस्था में बराबरी का हक देने को लेकर। यह विडम्बना ही है कि विधायिकाओं में 50 फीसदी नहीं, बल्कि महज 33 फीसदी आरक्षण की सालों से चल रही मांग आज तक अधूरी ही है। पंचायत और स्थानीय निकाय स्तर पर आरक्षण से महिलाओं को मौका जरूर मिला लेकिन यहां भी कितना सशक्तीकरण नारी शक्ति का हो पाया है यह किसी से छिपा नहीं है। शिक्षित, आर्थिक रूप से स्वावलंबी, ऊंचे पदों पर बैठी महिलाओं के विपरीत लैंगिक भेदभाव की उस तस्वीर को भी देखना होगा जहां महिलाओं को यह तक पता नहीं कि कानून ने किन-किन क्षेत्रों में उनको कितना संरक्षित कर रखा है। वहीं संसद में भी पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। भारत की मौजूदा जनसंख्या के अनुसार, लोकसभा में एक निर्वाचित सांसद औसतन 26 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं एक निर्वाचित महिला सांसद औसतन 92 लाख महिलाओं का प्रतिनिधित्व करतीं हैं। जाहिर है महिला अधिकारों और महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के दावों और उसकी वास्तविकता के मध्य एक गहरा विरोधाभास और राजनीतिक दलों का दोगलापन है।

हमें नहीं भूलना चाहिए कि डॉ. आंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन इस बात से किया जाता है कि उसमें महिलाओं की क्या स्थिति है? दुनिया की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है, इसलिए जब तक उनका समुचित विकास नहीं होता कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी, जब उन्हें घर-परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। लेकिन ये सच है कि पितृसत्तात्मक मानदंडों और परम्परागत मानसिकता के चलते ऐतिहासिक रूप से भारत में महिलाओं को हाशिए पर रखा गया। आजादी के बाद भारत के संविधान ने ये व्यवस्था दी कि राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में पुरुषों एवं महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया जाएगा, लेकिन भारत में अधिकांश विधानसभाओं में महिला सदस्यों के प्रतिनिधित्व का परिदृश्य आज भी निराशाजनक है। वास्तव में भारत की आधी आबादी का एक बहुत बड़ा भाग अभी भी अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित है।

वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की ओर से जारी रिपोर्ट में भारत का नाम 146 देशों की सूची में 135वें स्थान पर रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि इन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जाए। भारत की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी कम होने के पीछे प्रमुख कारण अब तक समाज में पितृसत्तात्मक ढांचे का मौजूद होना है। हमें इस बात को समझना होगा कि पुरुषों और महिलाओं की समान भागीदारी न केवल न्याय और लोकतंत्र के लिए अहम है, बल्कि ये सुव्यवस्थित मानव अस्तित्व के लिए भी अनिवार्य है।जाहिर है, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक और प्रशासन से लेकर राजनीति तक बेटियों को अभी काफी अवसर और सुविधाएं देना बाकी है। यह काम सरकारों को भी करना है और समाज को भी।

जब मन अशांत हो, ईष्टदेव के मंत्रों का करे जप

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

सफलता के लिए योजना बनाकर काम करे

जब भगवान विष्णु श्रीकृष्ण रूप में अवतार लेने वाले थे। देवकी और वसुदेव कंस की कैद में थे। कंस ने देवकी-वसुदेव की 6 संतानों का वध कर दिया था। सातवीं संतान के रूप में बलराम देवकी के गर्भ में आए तो भगवान विष्णु ने योगमाया से कहा था कि आप इस सातवीं संतान को देवकी के गर्भ से निकाल कर वसुदेव जी की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भ में स्थापित कर दो। इसके बाद कंस को ये सूचना दी जाएगी कि सातवां गर्भ गिर गया है। योगमाया ने ऐसा ही किया। इसके बाद जब आठवीं संतान के जन्म का समय आया तो भगवान ने योगमाया से कहा कि अब मेरे अवतार लेने का समय आ गया है। जब मेरे अवतार का जन्म होगा, ठीक उसी समय आप गोकुल में यशोदा के गर्भ से जन्म लेना। वसुदेव जी कंस के कारागर से निकालकर मुझे गोकुल पहुंचाएंगे और आपको लेकर कंस के कारागार में आ जाएंगे। जब कंस आठवीं संतान को मारने के लिए आएगा तब आप मुक्त हो जाना। भगवान ने जो योजना बनाई थी, उसी के अनुसार श्रीकृष्ण का अवतार हो गया। इस कथा में भगवान ने संदेश दिया है कि जब भी कोई काम करना हो तो उसकी योजना जरूर बनाएं। योजना अच्छी होगी तो सफलता जरूर मिलेगी।

क्या आपका दिमाग हर वक्त थका रहता है

आजकल की भागदौड़ भरी जिन्दगी में मानसिक थकान एक आम समस्या बन गई है। खासकर तब, जब हमें खुद का ख्याल रखने के साथ-साथ घर-परिवार और दोस्तों का भी ख्याल रखना पड़ता है। साथ ही अपनी पेशेवर जिंदगी का भी ख्याल रखना होता है। हमें हर रिश्ते में अपना समय देना पड़ता है। चाहे वह पार्टनर के साथ हो या परिवार और दोस्तों के साथ। हर रिश्ते में इमोशनल कनेक्शन की जरूरत होती है, जो हमारे मानसिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है। काम का दबाव, रोजमर्रा की भागदौड़ और रिश्तों की जिम्मेदारियां। ये सभी मिलकर हमें मानसिक रूप से थका सकते हैं। मेडिटेशन को हिंदी में 'ध्यान' कहते हैं। यह एक प्राचीन तरीका है, जो मन को शांत करने और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करता है। यह न केवल हमारी मेंटल हेल्थ के लिए अच्छा है, बल्कि फिजिकल हेल्थ को सुधारने और उसे बेहतर बनाने में मददगार है। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। मेडिटेशन मूड को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। यह तनाव और चिंता को कम करता है। हर रोज मेडिटेशन करने से हमें

शांति का अनुभव होता है और हम पहले से अधिक खुशी महसूस करते हैं। यह सेरोटोनिन और डोपामाइन जैसे हॉर्मोन के स्तर को भी बढ़ाता है, जो मूड को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और तेजी से भागती दुनिया में, फोकस करना और एकाग्र होकर कोई काम करना मुश्किल है। ऐसे में मेडिटेशन आपको अपने विचारों को नियंत्रित करने और एकाग्रता को बढ़ाने में मदद करता है। इससे आप वर्तमान में रहकर अपने काम पर फोकस कर पाते हैं। ध्यान करने से हमारी याददाश्त और सोचने-समझने की शक्ति बढ़ती है। यह हमारे दिमाग के उन हिस्सों को मजबूत बनाता है, जो नई चीजें सीखने और उन्हें याद रखने में मदद करते हैं। आज के समय में एंग्जाइटी के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में मेडिटेशन चिंता को कम करने और मन को शांत रखने का एक आसान और असरदार तरीका है। मेडिटेशन हमें इमोशंस को बेहतर तरीके से समझने में मदद करता है। इससे एंग्जाइटी कम होती है और हम शांति महसूस करते हैं। माइंडफुलनेस का मतलब है कि आप सिर्फ वर्तमान में रहें, न कि बीते हुए कल में या आने वाले कल में। जैसे, जब आप खाना खा रहे हैं, तो सिर्फ खाने पर ध्यान दें, न कि किसी और बात पर। ऐसे में आप अपने इमोशंस को बेहतर तरीके से कंट्रोल कर सकते हैं। मेडिटेशन के फायदों को पूरी तरह से पाने का सबसे अच्छा तरीका है कि इसे अपनी दिनचर्या में शामिल किया जाए। हर रोज इसका अभ्यास किया जाए। अगर आप नियमित रूप से इसका अभ्यास करते हैं, तो इसके कई सारे फायदे हो सकते हैं। इसे दिनचर्या का हिस्सा कैसे बनाया जाए, इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। किसी भी चीज की शुरुआत छोटी ही होती है। ऐसे में शुरुआती दिनों में सिर्फ पांच मिनट भी मेडिटेशन को देना पर्याप्त हो सकता है। कुछ समय बाद आप खुद इसे इंजॉय करने लग जाएंगे। इसके बाद धीरे-धीरे आप समय बढ़ा सकते हैं। ध्यान करने के लिए ऐसा समय चुनें, जब आप आराम से बैठ सकें और कोई आपको परेशान न करे। कोई काम बीच में बाधा न डाले। इसके साथ ही हर रोज एक ही समय पर ध्यान करें। ऐसे में कुछ समय बाद खुद ही आपको उस समय मेडिटेशन करने की आदत लग जाएगी। एक ऐसी जगह चुनें जहां शोरगुल न हो। जगह प्रकृति के करीब हो तो और बेहतर। हालांकि, मेडिटेशन के लिए आप कोई भी जगह चुन सकते हैं। जैसे, घर की छत, आंगन, ऑफिस स्पेस, पार्क या कोई और जगह। आप चाहें, तो रोशनी कम करके, मेडिटेशन में मदद करने वाले म्यूजिक चलाकर और सुगंधित मोमबत्ती जलाकर अपने ध्यान के लिए माहौल तैयार कर सकते हैं। ऐसे में जब भी आप इस तरह का माहौल तैयार करेंगे, आपका मन मेडिटेशन के लिए खुद को तैयार कर लेगा। ध्यान शुरू करने से पहले, यह तय करें कि आप मेडिटेशन क्यों करना चाहते हैं। क्या आप स्ट्रेस से राहत पाने के लिए कर रहे हैं या फोकस बेहतर करना चाहते हैं? या दिनभर के कामकाज के बाद थोड़ी सी शांति चाहते हैं? एक लक्ष्य तय करने से मेडिटेशन करने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे निरंतरता भी बनी रहेगी। ध्यान शुरू करने से पहले, एक शांत जगह चुनें। मेडिटेशन के दौरान सांस पर ध्यान केंद्रित करें, धीरे-धीरे सांस लें और छोड़ें। यदि आपका मन भटकता है, तो अपना ध्यान वापस अपनी सांस पर लाएं। शुरुआत में, आप 5-10 मिनट तक ध्यान कर सकते हैं और धीरे-धीरे समय बढ़ा सकते हैं। जब आपका ध्यान पूरा हो जाए, तो रुकें और सोचें कि आपको कैसा लगा। आपने क्या सीखा? अगर आपका मन करे, तो आप अपनी बातों को एक डायरी में भी लिख सकते हैं। इससे आपको अगली बार बेहतर तरीके से मेडिटेशन करने में मदद मिलेगी। हमारे मस्तिष्क को किसी भी आदत को अपनाने में समय लगता है। इसलिए ध्यान करते समय धैर्य रखना जरूरी है। अगर आपका मन भटकता है या किसी दिन आप ध्यान नहीं कर पाते हैं, तो निराश न हों। बस कोशिश करते रहें। अगर किसी दिन आप ध्यान नहीं कर पाते हैं, तो अगले दिन फिर से कोशिश करें।

जनमार्ग सिटी न्यूज
JANMARG news
जनमार्ग
श्रीगंगानगर, रविवार, 09 मार्च 2025
3
» रायसिंहनगर » गजसिंहपुर » सादुलशहर » अनूपगढ़ » रामसिंहपुर » जैतसर » पक्कासहारणा » केसरीसिंहपुर » पदमपुर » लालगढ़ » मांझूवास » फकीरवाली » श्रीबिजयनगर

नहरी सिस्टम की सूरत बदलने पर कार्य योजना बना रहे अफसर

आईजीएनपी में फिर से वी-आकार के खाळे बनने की उम्मीद

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। प्रदेश के किसान जल संकट से जूझ रहे हैं। आंदोलन के बावजूद फसलों को पानी नहीं मिल रहा। इस बीच नहरों की हालत सुधारकर नहरी पानी की छीजत को कम करने को लेकर सरकार स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। बजट घोषणा को धरातल पर लागू करने की दृष्टि से अधिकारी कार्य योजना बनाकर इसे मंजूर करवाने में जुट गए हैं। गत बरसों में बड़े पैमाने पर इंदिरगांधी नहर की रीलाइनिंग के बाद अब करीब साठ वर्ष पहले इन नहरों के आसपास बने खाळों को दोबारा बनाने की कवायद शुरू कर दी गई है। सरकार स्तर पर इस कार्य के लिए 590 करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया है। जल संसाधन विभाग स्तर पर रावतसर खंड के अधिकारी इस कार्य को देख रहे हैं। फिलहाल वी-आकार के खाळे बनाने की कार्य योजना तैयार की गई है। उच्च स्तर पर विचार-विमर्श के बाद जल्द खाळों के निर्माण का कार्य शुरू होने की उम्मीद है। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने नहरी तंत्र के होने वाले पुनरोद्धार

कार्यों की स्थिति साफ कर दी है। विधानसभा में जल संसाधन एवं इंदिरागांधी नहर परियोजना (मांग संख्या-42) की अनुदान मांग पर बहस के बाद पांच मार्च 2025 को सदन ने जल संसाधन एवं इंदिरागांधी नहर परियोजना की 73 अरब 82 करोड़ 72 लाख 73 हजार रुपए की अनुदान मांगें पारित कर दी है। इस वित्तीय वर्ष में कुल 10 हजार 20 करोड़ रुपए का बजट आवंटित हुआ है। इसमें जल संसाधन के लिए 8 हजार 147.78 करोड़ और इंदिरा गांधी नहर के लिए 1 हजार 872.20 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है।

देश में वर्ष 1951 में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष जल उपलब्धता 5178 घनमीटर थी। जो कि 2015 में घटकर 1441 घनमीटर रह गई। देश में मानसून की वर्षा में भारी असमानता के कारण विभिन्न प्रांतों में जल उपलब्धता में भी भारी असमानता है। राजस्थान में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष जल उपलब्धता अन्य प्रदेशों की तुलना में बेहद कम है। वर्ष 1951 में यह 2028 घनमीटर थी, जो कि 2011 में घटकर 699 घनमीटर रह गई है। ऐसा अनुमान है कि 2025-26 तक इनमें और कमी आएगी। घटकर मात्र 560 घनमीटर रह जाएगी। राजस्थान में जल उपलब्धता की स्थिति काफी गंभीर हो रही है। जल संसाधन मंत्री रावत के अनुसार राज्य में कृषि योग्य सिंचित भूमि 272.11 लाख हैक्टेयर है। इसमें से वर्तमान में सतही जल परियोजनाओं से सिंचित क्षेत्र लगभग 39.36 लाख हैक्टेयर है। राज्य में सतही जल लगभग 25.38 बिलियन क्यूबिक मीटर है। राज्य को विभिन्न अंतर्राज्यीय जल समझौतों के तहत 17.88 बिलियन क्यूबिक मीटर जल निर्धारित है। इसे देखते हुए राज्य सरकार माइक्रो सिंचाई पद्धति पर विशेष ध्यान दे रही है। इंदिरागांधी नहर परियोजना के अंतर्गत चरणबद्ध रूप से सिंचाई संबंधी 16 कार्यों के लिए इस बजट में 1 हजार 895 करोड़ रुपए की घोषणाएं की गई है।

महिलाओं के बिना अधूरी है सभ्य समाज की कल्पना : दर्शना

❑ महिला दिवस के उपलक्ष में महिला सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

बींझबायला। महिला दिवस के अवसर पर स्थानीय महिलाओं द्वारा सरस्वती गर्ल्स पीजी कॉलेज में आज महिला सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया,जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में तहसीलदार पदमपुर दर्शना इंदलिया, विशिष्ट अतिथि रजनी शर्मा और मुख्य वक्ता के रूप में लेफ्टिनेंट अन्नपूर्णा खालिया मौजूद रहीं। आयोजक समिति द्वारा पगड़ी पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया गया। इस मौके पर तहसीलदार दर्शना इंदलिया ने महिलाओं से आत्मनिर्भर और शिक्षित होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सफलता के लिए अपार संभावनाएं है, लेकिन कदम आगे बढ़ाने की जरूरत है। हालांकि आधुनिक समाज में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।फिर भी वे कई चुनौतियों और भेदभाव का सामना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति संस्कार और सभ्य समाज की कल्पना महिलाओं

के बिना नहीं की जा सकती है।महिलाओं के बिना समाज की प्रगति अधूरी है।इस मौके पर लेफ्टिनेंट अन्नपूर्णा खालिया ने महाभारत और रामायण के प्रसंगों के माध्यम से महिलाओं की भूमिका व अस्तित्व पर व्याख्यान किया। उन्होंने कहा कि पुरुष प्रधान समाज में महिला प्रत्येक काम की भागीदार होने के बावजूद खुद को कमज़ोर और पिछड़ा मानती है जबकि भारतीय संस्कृति में देवी की आराधना के बिना कोई काम शुरु नहीं किया जाता है।खालिया ने कहा सशक्त भारत का निर्माण सशक्त महिलाओं से ही होगा। मानव चिल्ड्रन एकेडमी की प्रिंसिपल रजनी शर्मा ने बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाना,रोजगार के अवसरों तक लेकर जाना हम महिलाओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने समाज के बेहतरीन पदों पर बैठी बेटियां ही महिलाओं की प्रेरणा है। इस मौके पर जसविंद्र कौर, फूलां देवी तनेजा तथा संदीपकौर तरखान ने भी विचार रखें। मंच संचालन तुषा उपाध्याय ने किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं व छात्राएं उपस्थित रहीं।

महिला दिवस व होली के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। महिला शक्ति एवं जनसेवा ट्रस्ट की संस्कार टीम द्वारा महाराजा अग्रसेन विद्या मंदिर स्कूल में महिला दिवस एवं होली के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्कार टीम अध्यक्ष मनोज चनानी ने बताया कार्यक्रम में समाज सेवा हित में उत्कृष्ट कार्य एवं सेवा करने हेतु श्रीमती मंजू गर्ग को संस्कार टीम एवं महिला शक्ति द्वारा सम्मानित किया गया।महिला अध्यक्ष मंजू गर्ग ने बताया कार्यक्रम में महिलाओं के लिए विभिन्न रोचक गेम,समय पाबंदी पुरस्कार, लकी लेडी, होली तंबोला, फनी प्रश्नोत्तरी के साथ-साथ महिलाओं द्वारा नृत्य प्रस्तुति भी दी गई, सभी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को पुरस्कार दिया गया, होली उत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में अतिथि सरिता टांटिया, अध्यक्ष मंजू गर्ग, स्कूल प्रधानाध्यापिका अनामिका दाधीच, मनोज चनानी, सुरेंद्र चनानी, रमाकांत शर्मा, रविंद्र अग्रवाल, हर्ष देवड़ा,अनीता अग्रवाल, कमलेश आजाद, शैली बंसल, सुमन जिंदल, पूजा खत्री, मंजू साहू वाला, वीनू बंसल, अलका जैन , रेखा टेल्टिया,बबीता अग्रवाल ,पूजा गुप्ता, सुनैना अग्रवाल ,किरण अग्रवाल, सरला गुप्ता, अलका बंसल, बबीता गोयल, अर्चना गोयल, परम शर्मा, ललिता बंसल, रीटा गर्ग,पूजा गोयल, सुनीता गोयल, आभा मित्तल, मोनिका अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, मीनू गुप्ता, रचिता अग्रवाल, मोनिका बंसल, रेनू गुप्ता, सुलेखा अग्रवाल, नवअग्रवाल,सुनीता अग्रवाल, सुनीता आचार्य, वंदना दाधीच, बबीता अग्रवाल आदि के साथ बहुत सी महिलाएं उपस्थित रहीं। शानदार कार्यक्रम का संचालन मंजू गर्ग ने किया। सभी महिलाओं ने कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया एवं कार्यक्रम की बहुत प्रशंसा की।

पत्नी सहित ससुराल वालों द्वारा मारपीट, घायल पति अस्पताल में भर्ती

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। हनुमानगढ़ टाउन में पत्नी सहित ससुराल वालों द्वारा मारपीट किए जाने से एक व्यक्ति घायल हो गया जो कि अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने उसके बयान के आधार पर पत्नी और ससुराल वालों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।टाउन पुलिस के अनुसार वार्ड नंबर 26 की नई आबादी में गली नंबर 4 निवासी गौरव अरोड़ा (39) द्वारा अस्पताल में घायल अवस्था में दिए गए बयान के आधार पर महेंद्र कुक्कड़,अमन कुक्कड़,खुशबू, सतीश गिलहोत्रा और विमल पारीक आदि के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। घटा दो-तीन दिन पहले की है। पुलिस के अनुसार गौरव अरोड़ा ने उक्त व्यक्तियों पर हनुमानगढ़ टाउन में चुंगी नाका नंबर 6 के पास रोककर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार गौरव का अपने ससुराल वालों के साथ कई दिनों से विवाद चल रहा है।

बाबा श्याम की भव्य 7वीं अरदास निशान यात्रा का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। फाल्गुन ग्यारस के पावन अवसर पर बाबा श्याम के भक्तों द्वारा भव्य 7वीं अरदास निशान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। खाटू श्याम दीवाने मंडल सेवा समिति (रजि.) हनुमानगढ़ जंक्शन के तत्वावधान में यह यात्रा 10 मार्च 2025, सोमवार को सुबह 9 बजे दुर्गा मंदिर से प्रारंभ होगी। इस भव्य आयोजन को लेकर खाटू श्याम दीवाने मंडल सेवा समिति के सदस्यों द्वारा तैयारियां जोरों पर की जा रही हैं। शुक्रवार को समिति के सदस्यों ने प्रचार पोस्टर का विमोचन किया और नगर के बाजारों में घर-घर व दुकान-दुकान जाकर आमजन को इस आयोजन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। श्रद्धालुओं में इस यात्रा को लेकर भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। अध्यक्ष पवन वाट्स व सचिव लोकेश सहगल ने बताया कि 7वीं अरदास निशान यात्रा 10 मार्च

2025, सोमवार को सुबह 9 बजे दुर्गा मंदिर से प्रारंभ होगी। यह यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए शंकर कॉलोनी स्थित बांके बिहारी मंदिर पहुंचेगी, जहां बाबा श्याम का भव्य दरबार सजेगा। निशान यात्रा के उपरांत सभी श्याम प्रेमियों के लिए अटूट भंडारे की व्यवस्था की गई है, जिससे भक्त प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित कर सकेंगे। इस भव्य निशान यात्रा में खाटू धाम के पुज्य गुरुदेव रमेश जी शर्मा का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होगा। आयोजन समिति के सदस्यों ने हनुमानगढ़ व आसपास के सभी श्याम प्रेमियों से इस भव्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की गई है, ताकि बाबा श्याम की कृपा सभी भक्तों पर बनी रहे। इस मौके पर अध्यक्ष पवन वाट्स, सचिव लोकेश सहगल, कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल, महासचिव लक्की जुनेजा, प्रवीण सोनी, पंकज सोनी, धर्मपाल, विनेश, केशवानंद चुघ व अन्य सदस्य मौजूद थे।

राष्ट्रीय कला मंदिर का गीत-संगीत फागोत्सव कार्यक्रम कल

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राष्ट्रीय कला मंदिर द्वारा गीत संगीत का फागोत्सव कार्यक्रम रविवार को आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय कला मंदिर के अध्यक्ष वीरेंद्र बैद ने बताया कि स्थानीय बाबा रामदेव मंदिर के सामने रोहित उद्योग परिसर में स्थित चौधरी रामजस कला सदन ऑडिटोरियम में 9 मार्च की शाम 6ः31 बजे कार्यक्रम प्रारंभ होगा। मुख्य अतिथि रीको इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यप्रकाश खेमका और विशिष्ट अतिथि ट्रेड यूनियन लीडर संगीत प्रेमी विजय वासुदेव होंगे। मीडिया प्रभारी राकेश मोंगा ने बताया कि कार्यक्रम में संगीतकार मनोज आर्य के निर्देशन में डॉ. अंजू बोरड, शैलजा चितलांगिया और घनश्याम बिनानी स्वर लहरियां बिखेरेंगे।

नवविवाहित चरवाहे ने पेड़ से फंदा लगाकर की खुदकुशी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिले के दूरवर्ती रावला थाना क्षेत्र में चक 4- केपीडी में नहर के किनारे एक पेड़ से लटक कर एक नव विवाहित चरवाहे ने खुदकुशी कर ली।घटना की जांच कर रहे हवलदार रमेश कुमार ने बताया कि मृतक चरवाहे की पहचान अल्लाह रखा (30) निवासी चक 10-केपीडी के रूप में हुई है। उसकी दो महीने पहले शादी हुई थी। उसके पिता नासिर खान द्वारा दी गई रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार अल्लाह रखा कल सुबह रोजाना की तरह अपने भाई के साथ भेड़-बकरियां को चराने के लिए लेकर घर से निकला था। कुछ देर बाद चक 4-केपीडी के समीप उसने भाई को भेड़-बकरियों पर ध्यान रखने के लिए कहा और कहा कि वह कुछ ही देर में वापस आ रहा है।इसके बाद चक 4-केपीडी में नहर के किनारे उसकी लाश की करके पेड़ से लटकी हुई दिखाई दी, जब वहां से एक और चरवाहा भेड़- बकरियां लेकर गुजर रहा था। इसी चरवाहे की सूचना पर अल्लाह रखा के परिवार वाले मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद लाश परिवार वालों के सुपुर्द कर दी।

मकान बनाने वालों को राहत, चार गुना सस्ती मिल सकेगी बजरी

● खनिज विभाग ने उठाया बड़ा कदम ● सस्ते दामों में मिलेगी बजरी

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। भवन निर्माण करने वालों को सस्ती बजरी उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने पहल की है। सरकार ने इस बार बजरी की दर तय की है। इससे अधिक दर लेने पर संबंधित फर्म पर कार्रवाई होगी। फिलहाल मनमर्जी की दर वसूली जा रही है। राज्य सरकार की ओर से जिले से गुजर रही बनास नदी को बजरी खनन के लिए 34 हिस्सों में बांटा है। ऐसे में 34 प्लाट के मुताबिक बजरी की लीज जारी की जाएगी। इसमें अलग-अलग बजरी के लीज धारक होने पर मनमर्जी नहीं चल सकेगी। लोगों को तीन से चार गुना सस्ती बजरी मिल सकेगी और लोगों को आशियाना बनवाने में आर्थिक मदद मिल सकेगी। खनिज विभाग ने अभी तक 8 लीज की नीलामी कर दी है। पर्यावरण अनुमति मिलने के बाद यह शुरू होगी। खनिज विभाग के अधिकारियों के मुताबिक राज्य सरकार ने 50 रुपए प्रति टन की दर तय कर रखी है। लेकिन लीज धारक की ओर से फिलहाल प्रति टन 750 रुपए लिए जा रहे थे। खनिज विभाग ने 8 लीज की नीलामी की है। इसमें

बोरदा, बंथली, जलसीना, डोडावाड़ी व मूंडिया में एक-एक तथा सतवाड़ा में तीन लीज जारी की है। यह प्रत्येक 40 से 100 हैक्टेयर तक की लीज है। राज्य सरकार ने बजरी की दर 50 रुपए प्रति टन के हिसाब से चार गुना तक यानी 200 रुपए प्रति टन तय की है। लीज धारक इससे अधिक की राशि नहीं ले सकेंगे। इससे लोगों को तीन से चार गुना तक फायदा होगा।

पुरानी रंजिश एवं प्रेम संबंध छुपाने के लिए गैंगरेप का झूठा मुकदमा, युवक गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। एक नाबालिग को अगवा कर चार लड़कों द्वारा गैंग रेप करने का दर्ज करवाया गया मुकदमा जांच में झूठा पाया गया। पुरानी रंजिश एवं अवैध प्रेम संबंधों को छुपाने के लिए यह मुकदमा दर्ज करवाया गया था। पुलिस ने झूठा मुकदमा दर्ज करवाने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। मामला चुरू जिले का है। चूरू के पुलिस अधीक्षक जय यादव ने बताया कि अजय मेघवाल(24) निवासी वार्ड नम्बर 20 कस्बा रतननगर को गिरफ्तार किया गया है जिसने नाबालिग के परिजनों को विश्वास में लेकर झूठा मुकदमा दर्ज करवाया था। अनुसंधान अधिकारी सीओ सुनील झाझडिया ने पूछताछ के बाद आरोपी अजय कुमार मेघवाल को गिरफ्तार कर लिया। विगत 1 मार्च को चार लडकों द्वारा नाबालिग का अपहरण कर गैंगरेप करने की रिपोर्ट महिला थाना चूरू में दर्ज करवाई गई थी। बीएनएस की सम्बंधित धाराओं एवं पोक?सो एक?ट में अभियोग दर्ज कर अनुसंधान सीओ झाझडिया द्वारा शूरू किया। सीओ झाझडिया ने प्रकरण में साक्ष्य संकलित किये तो पाया कि एफआईआर में अंकित चारों लडके घटना में संलिप्त नहीं थे। घटना के रोज चारों आरोपियों की उपस्थिति घटनास्थल के आस-पास भी नहीं थी। इसके बाद संदिग्ध अजय कुमार को डिटेन कर गहनता से अनुसंधान किया तो वह टूट गया। आरोपी अजय ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी व्यक्तिगत रंजिश निकालने एवं अपने अवैध प्रेम सम्बन्ध को छुपाने के लिए नाबालिग लडकी के परिजनों को विश्वास में लेकर झुठा मुकदमा दर्ज करवा दिया था।

महिला दिवस के मौके पर री-रिलीज हुई 'हाईवे'

मुंबई। पिछले कुछ वक्त से बॉलीवुड की कुछ चुनिंदा फिल्मों को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है। इसी कड़ी में अब महिला दिवस के मौके पर 2014 में आई आलिया भट्ट की फिल्म 'हाईवे' 7 मार्च से सिनेमाघरों में फिर से दस्तक दे दी है। निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'इस महिला दिवस पर स्वतंत्रता और शक्ति की यात्रा पर निकलें। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट परिवार निडर महिलाओं की भावना का जश्न मनाता है। इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी ये फिल्म 7 मार्च से 13 मार्च तक वूमेंस डे वीक में पीवीआर और आइनॉक्स सिनेमाघरों में देखने को मिलेगी।

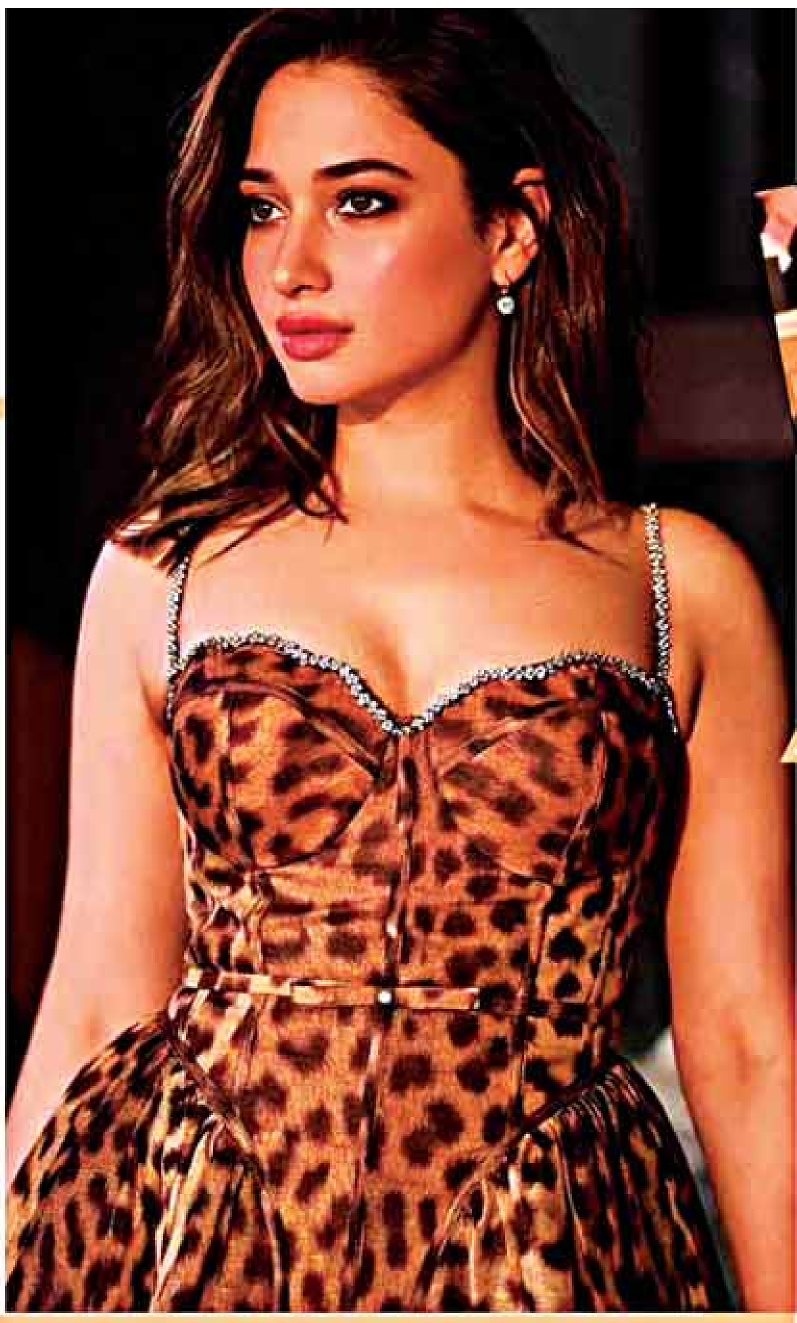

तमन्ना

कारोबार में बदल जाता है प्यार

हाल ही में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के ब्रेकअप की खबरें आईं। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इस इस अफवाह पर कुछ नहीं कहा है। ऐसे तमन्ना भाटिया ने प्यार पर अपनी राय रखी है।तमन्ना भाटिया ने ल्यूक कौटिन्हो से बातचीत में बताया है कि उनके मुताबिक प्यार की परिभाषा क्या है। बातचीत में तमन्ना भाटिया से पूछा गया कि वह प्यार के बारे में क्या सोचती है?

एजेंसी ▶▶ मुंबई

उन्होंने इस पर जवाब देते हुए कहा कि प्यार बिना शर्त होना चाहिए, चाहे वह मां-बाप से, पार्टनर से या फिर पालतू जानवर से हो। अगर आप पार्टनर से उम्मीद करना शुरू कर देते हैं तो रिश्ते कारोबार में बदल जाते हैं। तमन्ना भाटिया ने कहा 'मुझे लगता है कि लोग प्यार और रिश्ते को लेकर भ्रम में हैं। जैसे ही प्यार में शर्त आ जाती है तो यह प्यार नहीं रहता। प्यार बिना शर्त होना चाहिए। यह एकतरफा होना चाहिए। यह एक जिम्मेदारी है कि आप दूसरे के लिए क्या महसूस करते हैं। जैसे ही आप उम्मीद लगाते हैं और अगर ये सोचते हैं कि वह भी वैसा ही करे जैसा हम करते हैं तो यह एक कारोबार में बदल जाता है। मैंने महसूस किया कि अगर मैं किसी से प्यार करती हूं तो उन्हें फ्री छोड़ देना चाहिए, जैसे वो हैं उन्हें वैसे ही रहने देना चाहिए। आपको बता दें कि विजय और तमन्ना दोनों लंबे वक्त से एक कई मौकों पर एक दूसरे के साथ देखे गए। विजय ने शुभंकर मिश्रा के यूट्यूब चैनल पर बताया 'मुझे लगता है कि हम दोनों इस बात से सहमत थे कि अगर हमें साथ में समय बिताना अच्छा लगता है और हम एक-दूसरे को पसंद करते हैं, तो इसे छिपाने की क्या जरूरत है।'

निक खाने में तो मालती फोन में बिजी

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा हाल ही पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी के साथ फैमिली डिनर के लिए गईं। लेकिन इस दौरान मालती की हरकतों ने ध्यान खींच लिया। टेबल पर जहां निक जोनस, प्रियंका और बाकी लोग बातें करने और खाने में बिजी थे, वहीं मालती फोन में बिजी दिखीं। 3 साल की मालती फोन पर अपना फेवरेट कार्टून देख रही थी, और उसी में खोई थी। प्रियंका की इस फैमिली डिनर डेट की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

सिंगर जेनी पर कॉपी पेस्ट का आरोप

लॉस एंजिल्स। कोरियन यानी के-पॉप बैंड 'ब्लैकपिंक' की सिंगर जेनी ने हाल ही अपने नए गाने का ऐलान किया और 9 सेकेंड का टीजर रिलीज किया। गाने की ग्लोबली खूब तारीफ हो रही है, पर कुछ लोगों को यह 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के म्यूजिक जैसा लग रहा है। यूजर्स ने दावा किया है कि जेनी के गाने का म्यूजिक 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के एक म्यूजिक से मिलता-जुलता है। उन्होंने अपने गाने के लिए 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से आलिया का किरदार और उसका म्यूजिक कॉपी किया है। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में जब आलिया का रानी का किरदार एंट्री करता है, तो बैकग्राउंड में जो म्यूजिक बज रहा है, बिल्कुल वही म्यूजिक जेनी ने अपने गाने में इस्तेमाल किया है।

निर्देशन में रखने जा रहीं कदम...

मुंबई। अपनी अलग अदाकारी के लिए मशहूर अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही फिल्म 'कोट्या' से निर्देशन में डेब्यू करने जा रही हैं। राधिका आप्टे ने कई बॉलीवुड फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी की है। उन्होंने पिछले कुछ सालों में 'पैडमैन', 'अंधाधुन', 'मोनिका' और 'माय डार्लिंग' जैसी फिल्मों में बेहतरीन काम किया है। अब राधिका आप्टे एक्शन-फंतासी फिल्म के साथ निर्देशन में कदम रखने जा रही हैं। खबरों के मुताबिक राधिका आप्टे की फिल्म 'कोट्या' एक हिंदी/मराठी एक्शन-फंतासी है। इसमें एक प्रवासी नौजवान की कहानी दिखाई गई है। नायक एक गन्ना काटने वाला शख्स है। जबरदस्ती की एक चिकित्सा प्रक्रिया के बाद नौजवान को कुछ ताकतें मिलती हैं। इसके बाद वह उन ताकतों का इस्तेमाल अपने परिवार का कर्ज उतारने के लिए करता है।

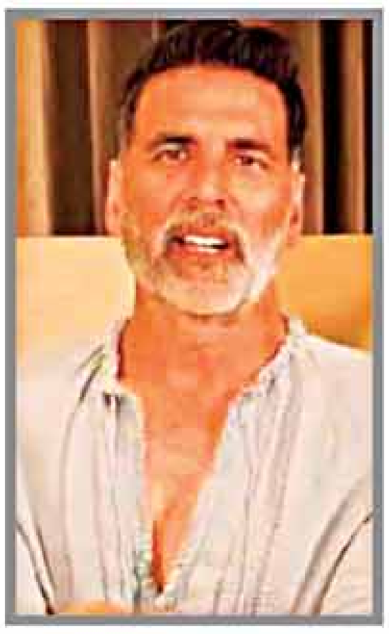

ओटीटी पर रिलीज हुई स्काई फोर्स...

मुंबई। अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की फिल्म 'स्काई फोर्स' जनवरी में गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज हुई थी। अब करीब छह हफ्तों बाद यह फिल्म डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होने लगी है। इस फिल्म को अब आप प्राइम वीडियो इंडिया पर देख सकते हैं, लेकिन खास बात यह है कि इसे देखने के लिए आपको पैसे चुकाने होंगे। सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को अब प्राइम वीडियो इंडिया पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध करा दिया गया है। हालांकि, इसे किराए पर उपलब्ध कराया गया है, यानी दर्शकों को इसे देखने के लिए 349 रुपए का शुल्क चुकाना होगा। यह शुल्क प्लेटफॉर्म की सब्सक्रिप्शन फीस से अलग है। स्काई फोर्स एक देशभक्ति आधारित ड्रामा है जो 1965 से 1988 के बीच के समय पर आधारित है।

तेनाली के सामने नई चुनौती बनकर आएगी विषकन्या!

नई दिल्ली। सोनी सब का लोकप्रिय शो 'तेनाली रामा' अपनी दिलचस्प कहानियों से दर्शकों को लगातार रोमांचित कर रहा है। प्रतिभाशाली एक्टर कृष्ण भारद्वाज द्वारा निभाया गया तेनाली रामा का किरदार अपने चतुराई भरे किस्सों और बुद्धिमत्ता के लिए जाना जाता है। इस नए अध्याय में तेनाली एक बार फिर विजयनगर की रक्षा के लिए लौटता है, जहां काली मां (बरखा बिष्ट) द्वारा बताए गए एक भयंकर संकट का खतरा मंडरा रहा है। गिरगिट राज (सुमित कौल) पहले ही विजयनगर को नष्ट करने की अपनी खतरनाक योजना का खुलासा कर चुका है। उसने नगर में तबाही मचाने के लिए एक विशाल हाथी को छोड़ा था। अब उसके पास उससे भी घातक साथी आ गया है—विषकन्या आफरीन, जिसे पवित्रा पुनिया निभाती दिख रही हैं। नर्तकी के वेश में विजयनगर में प्रवेश करने वाली आफरीन का असली मकसद बदला लेना है। वह अपने साथ हुए अन्याय का प्रतिशोध चाहती है। उसका मुख्य निशाना राजा कृष्णदेवराय (आदित्य रेडिज) हैं, लेकिन उसका पहला वार तिम्मारसु (अमित पचौरी) पर पड़ता है, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। इससे एक बुद्धि और शक्ति का रोमांचक संग्राम शुरू होता है।

क्राइम पेट्रोल 17 मार्च से ओटीटी पर होगी रिलीज

नई दिल्ली। सीआईडी के बाद अब एक और पुराना शो नेटफ्लिक्स पर वापसी कर रहा है। क्राइम पेट्रोल भारत का एक बहुत लोकप्रिय सच्ची कहानियों पर आधारित शो है, जो 2003 में शुरू हुआ था। यह शो अपनी रोचक कहानियों और अपराध के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए जाना जाता है। अनूप सोनी ने इस शो को होस्ट किया है और असली अपराधों की कहानियों को नाटक के जरिए दिखाया है, ताकि लोग अपराध से बचाव के बारे में सीख सकें। क्राइम पेट्रोल 17 मार्च से नेटफ्लिक्स पर देखने के लिए उपलब्ध होगा। पहले यह सोनी लिव पर आता था, जहां इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। अब नेटफ्लिक्स पर आने से यह और भी लोगों तक पहुंचेगा, खासकर उनको जो क्राइम की कहानियां देखना पसंद करते हैं।

प्रेम कहानी की रिलीज के पूरे हुए 50 साल

नई दिल्ली। 1975 में बनी हिंदी फिल्म प्रेम कहानी की शुक्रवार को गोल्डन जुबली थी। फिल्म को रिलीज हुए 50 साल हो गए। इस फिल्म की कहानी से लेकर इसके गाने आज भी दर्शकों के जहन में बसे हुए हैं। निर्देशक राज खोसला की सफल फिल्मों मे से एक 'प्रेम कहानी' भी थी। इस फिल्म में राजेश खन्ना, मुमताज और शशि कपूर ने मुख्य अभिनय किया था। फिल्म की कहानी प्रेम, बलिदान और सामाजिक बंधनों के इर्द-गिर्द घूमती है। यह फिल्म उस दौर के दर्शकों के दिलों को छू गई। फिल्म की कहानी से लेकर इसका संगीत भी दर्शकों को बेहद पसंद आया था। फिल्म का संगीत लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने दिया था। फिल्म 'प्रेम कहानी' की बात करें तो फिल्म में कमल (राजेश खन्ना) नाम के एक युवक की है, जो अपनी प्रेमिका रजनी (मुमताज) से बेहद प्यार करता है। लेकिन सामाजिक और पारिवारिक दबाव के कारण उनकी प्रेम कहानी अधूरी रह जाती है। कमल का दोस्त शेर खान (शशि कपूर) भी इस कहानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो अपने दोस्त के लिए बलिदान देने को तैयार रहता है। फिल्म में भावनात्मक उतार-चढ़ाव और नाटकीय मोड़ दर्शकों को बांधे रखता है।

बॉलीवुड के ये गाने हैं महिलाओं के लिए इंस्पिरेशन जुल्म के खिलाफ लड़ने और उड़ने का देते हैं हौसला

नई दिल्ली। आज के दौर में महिलाओं का समाज में उतना ही रसूख है, जितना पुरुषों को है। इसी वजह से महिलाओं को आधी आबादी कहा जाता है। आज महिलाएं सक्सेसफुल हैं, बैंकर हैं, बिजनेस वूमन हैं, क्रिकेटर हैं, एक्टर हैं और पॉलिटिशियन भी हैं। इस इमेज को हासिल करने के लिए महिलाओं ने एक लंबी लड़ाई लड़ी है। महिलाओं के इसी जज्बे को सलाम करने के लिए वुमन्स डे मनाया जाता है। 8 मार्च को वुमन्स डे मनाते हैं। यह दिन सभी महिलाओं के लिए गर्व महसूस करने का दिन है! महिलाओं के लिए इस को एंजॉय करने के लिए बॉलीवुड में ऐसे कई गाने हैं, जो जोश को दोगुना कर देंगे।

पटाका गुड्डी (हाईवे)

पटाखा गुड्डी एक जादुई गाना है जो एक ही समय में शरीर में कई अलग अलग तरह की एनर्जी का प्रवाह शरीर में कर देता है। भले ही आपका दिन खराब हो, यह गाना आपके कानों पर पड़ते ही अलग आत्मविश्वास का प्रवाह करता है। गाना महिलाओं के फ्रीडम को डेडिकेटेड है और बहुत ही खूबसूरती से गाया गया है।

जीते चल (नीरजा)

सोनम कपूर ने 2016 की बायोपिक थ्रिलर फिल्म नीरजा में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया। एक्ट्रेस ने रियल लाइफ हीरो दिवंगत भारतीय एयर होस्टेस की भूमिका निभाई, जिसने एक हाईजैक हुए विमान से सैकड़ों लोगों को बचाने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। जीते है चल प्रसून जोशी की तरफ से लिखे गए शानदार गानों में से एक है।

जिद्दी दिल (मैरी कॉम)

प्रियंका चोपड़ा दुनिया भर में लाखों लड़कियों के लिए वास्तविक जीवन की प्रेरणा है लेकिन उन्होंने बॉक्सर मैरी कॉम की बायोपिक में शानदार काम कर सबके दिलों में एक अहम जगह बना ली है। 2014 में रिलीज हुई स्पोर्ट्स बायोपिक, मैरी कॉम का गाना जिद्दी दिल महिलाओं को हार न मानने की प्रेरणा देता है।

धाकड़ (दंगल)

हमारी छोरियां छोरों से कम थोड़ी हैं। जब फिल्म को इस थीम के साथ बनाया गया होगा तो फिल्मों के गाने तो जोश से भरने वाले जरूर होंगे। आमिर खान स्टारर इस फिल्म दंगल रियल लाइफ चैंपियन गीता फोगाट और बबीता फोगाट की जिंदगी पर आधारित है। इस फिल्म का गाना 'धाकड़' दुनिया के सामने लड़कियों का लोहा मनवाने के लिए एक एंथम से कम नहीं है।

पिंक एंथम (पिंक)

तापसी पन्नू-अमिताभ बच्चन स्टारर 2016 में आई कोर्ट रूम ड्रामा पिंक का गाना पिंक एंथम काफी जबरदस्त है। पूरी दिल्ली में फिल्माए गए इस गाने में वास्तविक महिलाओं को अपने अनोखे तरीके से जिंदगी का जश्न मनाते हुए दिखाया गया है। यह गाना वुमन्स डे पर काफी खास हो जाता है।

हर महिला को देखनी चाहिए ये 10 महिला प्रधान फिल्में

नई दिल्ली। 10 महिला प्रधान फिल्में हर महिला को जरूर देखनी चाहिए, क्योंकि इन फिल्मों ने महिलाओं के जीवन के ऐसे कई पहलुओं को उजागर किया है, जिन पर इससे पहले बात तक नहीं की जाती थी। 10 महिला प्रधान फिल्मों ने कई सामाजिक मान्यताओं को तोड़ा है और समाज को नए सिरे से सोचने पर मजबूर किया है। यदि आपने अभी तक ये फिल्में नहीं देखी है, तो आपको ये महिला प्रधान फिल्में जरूर देखनी चाहिए।

क्वीन

महिला प्रधान फिल्मों की बात हो और कंगना रनौत की फिल्म क्वीन का जिक्र न हो, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। क्वीन फिल्म की सबसे बड़ी खासियत है इस फिल्म का मैसेज. इस फिल्म में ये बताया गया है महिलाओं को चाहते पुरुषो के सहारे की मोहताज नहीं हैं और कंगना रनौत ने अपनी अदाकारी से महिलाओं की भावनाओं को बहुत दमदार तरीके से प्रस्तुत किया है।

द डर्टी पिक्चर

बॉलीवुड की मोस्ट टेलेंटेड एक्ट्रेस विद्या बालन की बेहतरीन फिल्मों में से एक द डर्टी पिक्चर 80 के दशक की दक्षिण भारतीय फिल्मों की कलाकार सिल्क स्मिता के जीवन पर आधारित थी। द डर्टी पिक्चर फिल्म में रुपहले पर्दे के की चमक के पीछे छुपे अंधेरे को उजागर किया गया। साथ ही महिला के शरीर के प्रति लोगों की मानसिकता को भी दर्शाया गया।

ऐंग्री इंडियन गॉडेसेस

ऐंग्री इंडियन गॉडेसेस फिल्म की कहानी पांच लड़कियों के ईर्दगिर्द घूमती है। ये लड़कियां हंसती भी हैं और रोती भी हैं, मस्ती भी करती हैं और दर्द भी झेलती हैं। इस फिल्म में लड़कियों के साथ छेड़छाड़, कोर्ट में इंसाफ न मिलना, मां-बाप का प्यार न मिलना जैसी कई सामाजिक समस्याओं को उजागर किया गया है। महिलाओं को ये फिल्म भी जरूर देखनी चाहिए।

मॉम

बॉलीवुड की चांदनी श्रीदेवी जी भले ही आज हमारे बीच न हो, लेकिन उनकी फिल्म मॉम महिला प्रधान फिल्मों में खास स्थान रखती है। इस फिल्म में बताया गया है कि एक मां अपने बच्चों के लिए क्या कुछ कर सकती है। पूरी फिल्म श्रीदेवी यानी मॉम के ईर्दगिर्द घूमती है। इस फिल्म में भी हीरो की जरूरत महसूस नहीं होती।

पिंक

तापसी पन्नू की फिल्म पिंक भी लीक से हटकर थी। इस फिल्म की कहानी तीन महिलाओं के इर्दगिर्द घूमती है और समाज को महिलाओं के बारे में काफी कुछ सोचने पर मजबूर करती है। फिल्म पिंक में दिग्गज अमिताभ बच्चन ने भी दमदार अभिनय किया है।

फायर

दीपा मेहता की फिल्म फायर दो महिलाओं के समलैंगिक रिश्तों पर आधारित कहानी है। इस फिल्म को दो साल तक सेंसर बोर्ड की हरी झंडी का इंतजार करना पड़ा और दो साल बाद इस फिल्म को एडल्ट कैटेगरी में सिनेमाघरों में दिखाया गया।

लिपस्टिक अंडर माय बुर्का

विवादों से घिरी फिल्म लिपस्टिक अंडर माय बुर्का अलग-अलग उम्र की चार ऐसी महिलाओं की कहानी है, तो अपने हिसाब से आजादी से जिंदगी गुजारने में विश्वास रखती हैं। कोंकणा सेन शर्मा, रत्ना पाठक शाह, आहना कुमरा, पल्बिता बोरठाकुर ने लिपस्टिक अंडर माय बुर्का फिल्म में दमदार अभिनय किया है।

पार्चड

पार्चड यानी सूखा और इस फिल्म में गांव की तीन स्त्रियों के माध्यम से इस शब्द को भलीभांति प्रस्तुत किया गया है। पार्चड फिल्म में पुरुष प्रधान मानसिकता, महिलाओं पर अत्याचार, बाल विवाह जैसी समस्याओं का कटु सत्य को बहुत तीखे अंदाज में पेश किया गया है। पार्चड फिल्म को 24 इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया और इस फिल्म ने 18 अवॉर्ड्स हासिल किए।

विधायक बिहाणी ने स्वयं के खर्च पर जरूरतमंद विद्यार्थियों में वितरित किए साइकिल व टेबलेट

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। महात्मा गांधी विद्यालय नं. 5 पुलिस लाईन श्रीगंगानगर में विधायक जयदीप बिहाणी ने स्वयं के खर्चे से 17 जरूरतमंद विद्यार्थियों को नजर के चश्में व राज्य सरकार की ओर से प्रदत्त 16 छात्राओं को साईकिल वितरण तथा कक्षा–8 के तीन मेधावी विद्यार्थियों को टेबलेट वितरण किए तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु छायादार पेड़ लगाकर पर्यावरण का संदेश दिया। मुख्य अतिथि विधायक जयदीप बिहाणी, अध्यक्षता रामेश्वरलाल अतिरिक्त जिला पुलिसअधीक्षक, शिक्षा विभाग की ओर से अमरजीत लहर व ओमप्रकाश उपस्थित रहे। स्वागताध्यक्ष एवं प्रधानाचार्या रिम्पा तलवार तथा एस.एम.सी., एस.डी.एम.सी. , भामाशाह व अभिभावकगण तथा विद्यालय परिवार की ओर से विधायक जयदीप बिहाणी का अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में जगीरचन्द फरमा, अवतारसिंह मल्होत्रा, विनोद कुमार गोयल, मनीराम सेतिया, इंजी. बलजीत सिंह राणा, ओमप्रकाश मीना, महावीर प्रसाद, राजेन्द्र आर्य, सुशील जैन, इन्दुभूषण चावला, श्रीमती सरोज, श्रीमती निर्मला, अमरनाथ, श्रीमती संजू चौधरी,

राजेश मीना, विजय सिवान, महेन्द्र कुमार, अंजू देवी, संदीप कुमार, राजकुमारी व विद्यालय स्टॉफ अर्जुनराम चौहान, मनीभद्र पूजा लड्ढा, रमनजीत सिंह, दलीप कुमार, अमनदीप, रिया रौतेला, सुमन देवी, सविता, रघुवीर जांदू, नौरंग कुमार, विनिता, गौरव आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथिगणों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि जयदीप बिहाणी ने विद्यार्थियों को साईकिल व टेबलेट मिलने पर बधाई व शुभकामनाएँ दी व राज्य सरकार की शिक्षा एवं विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक सोच के साथ कार्य कर रही है। मेधावी छात्राओं को साईकिल व टेबलेट वितरण करना इसका एक छोटा सा उदाहरण है इसके अतिरिक्त भी अन्य कई योजनाओं के माध्यम से सरकार बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है।

अमरजीत सिंह लहर ने कहा कि विधायक जयदीप बिहाणी के द्वारा नवाचार योजना के अन्तर्गत राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क नेत्र चैकअप करवाकर नजर के चश्में वितरण का कार्य किया जा रहा है जो कि एक सराहनीय कार्य है। आज विधायक के सहयोग से इस विद्यालय के 17 बच्चों को चश्में वितरित किए गए। प्रधानाचार्या रिम्पा तलवार ने विद्यालय विकास पर प्रकाश डालते हुए अतिथियों को विद्यालय के बच्चों द्वारा खेलों, योगा एवं शिक्षा में प्राप्त की गई उपलब्धियों से अवगत करवाया व विद्यालय परिवार की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत व अभिनन्दन किया। विद्यालय एस.एम.सी. सदस्य जगीरचन्द फरमा ने विधायक जयदीप बिहाणी द्वारा किए जा रहे कार्यो की भूरि–भूरि प्रशंसा की व विद्यालयों के प्रति विशेष लगाव के लिए उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। विद्यालय की छात्राओं आयूषी चौधरी, चंचल, परमीत, मीनाक्षी, खुशी, खुशी सिवान, जैसमीन, महक, महक मीना, सिमरन, मानवी, नामकी, रिया, कोमल रानी, सुहानी, दिव्याज्योति को साईकिल व निखिल, आयूषी व ऋषभ को टेबलेट मिलने पर उनके चेहरे खुशी से खिल उठे।

पीएनबी ने किया महा ऋण मुक्ति शिविर का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। जिला सेवा विधिक प्राधिकरण, हनुमानगढ़ में पंजाब नैशनल बैंक द्वारा महा ऋण मुक्ति शिविर का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री तनवीर चौधरी, जिला एवं सेशन न्यायाधीश, विशिष्ट अतिथि श्री शिव चरण मीणा, अपर ज़िला एवं सेशन न्यायाधीश, एवं श्री रामेश्वर दयाल, अध्यक्ष, स्थाई लोक अदालत तथा कार्यक्रम अध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार यादव, पीएनबी मंडल प्रमुख, छ्त्तरू हनुमानगढ़ थे । मंचासीन अधिकारियों ने रिबन काटकर तथा द्वीप प्रज्जवलित कर इस कार्यक्रम की शुरुआत की । मुख्य अतिथि महोदय श्रीमान तनवीर चौधरी, डीजे साहेब ने पीएनबी के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए आमजनों को इस स्कीम्स का फायदा उठाने के लिए प्रेरित किया । पीएनबी मंडल प्रमुख श्री प्रदीप कुमार यादव ने इस शिविर के मुख्य उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य

पात्र एनपीए उधारकर्ताओं को विशेष छुट्ट प्रदान कर उन्हें ऋण मुक्त करना है पात्र एनपीए उधारकर्ता अपने खातों का एकमुश्त योजना के अंतर्गत निपटान करवाकर कोर्ट केसों से मुक्ति पा सकते है । प्रधान कार्यालय से उपस्थित डीजीएम श्री दलीप गहलोत ने जानकारी देते हुए बताया कि आज पूरे भारतवर्ष में पीएनबी द्वारा ऐसे कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, तथा बैंक पात्र एनपीओं ऋणियों को विशेष छूट प्रदान कर इसका लाभ प्रदान करवा रहा है । मंच का शानदार संचालन श्री प्रवीण कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा ने किया । इस शिविर का लाभ करीबन 150 पात्र एनपीए उधारकर्ताओं को मिला । इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के स्टाफ, अधिवक्तागण, ग्राहकगण, पीएनबी से उप मंडल प्रमुख श्री दीपक बंसल, एमसीसी हैड श्री प्रदीप शर्मा, सस्त्रा हैड श्री सीबी यादव, मुख्य प्रबंधक श्री बीएल कुक्कड़, सुशील कुमार, ओपी सैनी, मयंक वर्मा, श्री रवींद्र गोदारा इत्यादि उपस्थित रहे ।

काली बाई भील स्कूटी योजना व देवनारायण योजना में छात्रा का चयन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। टाउन स्थित चौधरी मनीराम कॉलेज फॉर हॉयर एजुकेशन की छात्रा अर्शदीप कौर सुपुत्री काला सिंह को राज्य सरकार की काली बाई भील स्कूटी योजना 2024 व देवनारायण योजना में चयनित किया गया। इस उपलब्धि के लिए शुक्रवार को टाउन के राजकीय महाविद्यालय में भव्य कार्यक्रम आयोजित कर छात्रा को स्कूटी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार ने छात्रा का गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रबंधक सचिव प्रशांत सिहाग ने विशेष पुरस्कार देकर छात्रा को सम्मानित किया और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय हमेशा मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय निदेशक छत्रसाल सिंह राघव ने भी छात्रा की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सम्मान न केवल अर्शदीप कौर के लिए बल्कि पूरे महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति समर्पित रहने और मेहनत करने की प्रेरणा दी। समारोह में समन्वयक बलदेव पुरोहित, बीएड कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एम.एस. शर्मा, कॉलेज प्राचार्य डॉ.

विजय भार्गव, उपप्राचार्य डॉ. पवन कुमार, कार्यालय अधीक्षक मनोज वालिया, शिक्षक संदीप शर्मा और अजय सिहाग सहित महाविद्यालय के कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस अवसर पर छात्रा अर्शदीप कौर ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह सम्मान उसे और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा देगा। उसने इस सफलता के लिए अपने माता–पिता, शिक्षकों और महाविद्यालय प्रशासन को धन्यवाद दिया। महाविद्यालय प्रबंधन ने घोषणा की कि भविष्य में भी इस प्रकार की योजनाओं का लाभ मेधावी विद्यार्थियों को दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति जागरूकता और प्रेरणा का संचार किया गया।

चंद्रेश छतलानी इंडिया स्टार ऑफ द ईयर से सम्मानित

जनमार्ग न्यूज

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के शोधकर्ता और शिक्षाविद तथा साहित्यकार डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी को उनके उल्लेखनीय शोध और साहित्यिक योगदान के लिए 'इंडिया स्टार ऑफ द ईयर 2025' सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें दिल्ली के पीआरए फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन्हें भारतीय शिक्षा, अनुसंधान और साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। डॉ. छतलानी ने इस अवसर पर कहा, यह सम्मान न केवल मेरा, बल्कि मेरे विश्वविद्यालय और मेरे सभी वरिष्ठ व सहयोगियों का है, जिन्होंने हमेशा मुझे प्रेरित किया। उनकी इस उपलब्धि पर सभी ने हर्ष व्यक्त किया और उन्हें शुभकामनाएँ दीं। डॉ. चंद्रेश ने 15 पुस्तकें लिखी हैं, 10 पुस्तकों का संपादन किया है। उनके नाम सात रिकॉर्ड भी दर्ज हैं।

बेरोजगार संघर्ष समिति ने किया उपखंड कार्यालय पर प्रदर्शन

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। राजस्थान सरकार द्वारा निकाली गई भर्तियों में बढ़ोतरी करने की मांग को लेकर बेरोजगार संघर्ष समिति के हजारों छात्र–छात्राओं ने उपखंड कार्यालय पर प्रदर्शन करके मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। संघर्ष समिति संयोजक प्रमोद ज्याणी, केशव राव, सुरक्षा के सोहन थोरी, हॉस्टल यूनियन अध्यक्ष कादरी खान, महेंद्र बिश्नोई, पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र जोसन, विनोद चौधरी, हरीश मुंड, कानाराम गोदारा, विनोद जाझड़ा की अगवानी में हजारों छात्र–छात्राओं ने नया हाउसिंग बोर्ड पार्क में इकट्ठे होकर भर्तियों की संख्या बढ़ाने के लिए अपने हक की लड़ाई लड़ने के लिए राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उपखंड कार्यालय पर अनुशासित तरीके से प्रदर्शन करके धरना लगाया। प्रदर्शनकारी नेताओं ने उपखंड अधिकारी संदीप कुमार काकड़ को धरना स्थल पर बुलाकर मंत्री के नाम ज्ञापन देते हुए कहा राजस्थान सरकार ने बेरोजगार युवाओं के साथ खिलवाड़ किया है। राजस्थान सरकार द्वारा निकाली गई, वरिष्ठ अध्यापक 2129, व्याख्याता 2202 पदों पर विज्ञप्ति जारी की गई है। जबकि वरिष्ठ अध्यापक के 34 हजार व व्याख्याता के 18000 पद रिक्त पड़े हैं। रिक्त पदों के लिए 20 लाख बेरोजगार अध्यापक भर्ती की तैयारी कर रहे हैं जिसमें इन भर्तियों की

संख्या ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। राज्य के सभी उच्च माध्यमिक विद्यालय में वरिष्ठ अध्यापक व व्याख्याता के पद ज्यादातर खाली है जिसके कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसके अलावा आगामी तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती में 40 हजार पदों की घोषणा की जानी चाहिए। व्याख्याता भर्ती के लिए 8000, वरिष्ठ अध्यापक भर्ती के लिए 1500, पटवारी भर्ती 5000 पद करने की मांग राज्य सरकार ने नहीं मानी तो 18 मार्च के बाद सूरतगढ़ के हजारों बेरोजगार युवा जयपुर कूच करके विधानसभा का घेराव करेंगे। प्रदर्शन जुलूस के दौरान रास्ते में जगह–जगह पीने के पानी की व्यवस्था के अलावा अन्य व्यवस्थाएं की गई। स्वाध्याय कोचिंग सेंटर के केसर राव की तरफ से उपखंड कार्यालय पर प्रदर्शन के बाद सभी को देसी घी का हलवा वितरित किया गया। उपखंड कार्यालय के आगे धरना स्थल पर संयोजक प्रमोद ज्याणी, केसर राव, संरक्षक सोहन थोरी, हॉस्टल यूनियन अध्यक्ष कादीर खान, पूर्व अध्यक्ष विरेंद्र जोशन, बाड़मेर युवक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राजेंद्र कड़वासरा, शैतान सिंह, हरीश मुंड, गुरप्रीत सिंह मान, कोच सलीम अली, संजय सियाग, विनोद चौधरी, सुभाष सिहाग, कांग्रेस के युवा नेता अमित कड़वासरा, महेंद्र बिश्नोई, सुमित गोदारा, साहिल गेदर, पवन सारस्वत, अलवर के मंगतू राम, बृजमोहन सेवटा, महेंद्र कुमावत, संदीप कुमार सुथार, मांगीलाल बिश्नोई, कानाराम, तनोट राम सहित वक्ताओं ने विचार रखें।

बाबा सीताराम आश्रम में चंग की थाप पर झूमे श्रृद्धालु

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। गोल बाजार अम्बेडकर चौक स्थित बाबा सीताराम आश्रम में शुक्रवार शाम होली के उपलक्ष्य में मरूधरा घूमर कला मंच के कलाकारों द्वारा चंग धमाल के साथ शानदार प्रस्तुतियां दीं गई। इस अवसर पर श्रृद्धालु होली की मस्ती में सरोबार हो राजस्थानी लोक गीतों पर थिरके। मंच कलाकारों द्वारा विशेष रूप से जय जय राजस्थान, आज बिरज में होली रे रसिया.., बाबा श्याम के दरबार मची रे होली..., मेरा खुल गया बाजू बंद रसिया होली में... आदि ने उपस्थित दर्शकों को होली की मस्ती में पूरी तरह सरोबार कर दिया। बाबा सीताराम आश्रम के गद्दीनशीं महन्त बाबा रामेश्वर दास महात्यागी ने बताया कि इस अवसर मन्दिर से जुड़े समस्त भक्तजनों व सेवादारों का विशेष सहयोग रहा।

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

जमीन–विवाद को लेकर दो पक्ष भिड़े, 18 घायल

जनमार्ग न्यूज

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा के मांडल में शुक्रवार को दो परिवारों के बीच विवाद हो गया। दोनों ने एक–दूसरे पर लाठियों से वार किए। फिर जमकर पत्थर फेंके। झड़प में दोनों पक्षों से करीब 18 लोग घायल हो गए। झड़प के बीच गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई। जानकारी के अनुसार, मांडल थाना क्षेत्र के रूपपुरा गांव में घटना आज शाम करीब 4 बजे हुई। जमीन के विवाद को लेकर बबलू मोहम्मद और इकबाल पठान के दो परिवारों के बीच विवाद बढ़ गया। दोनों के परिवार आमने– सामने हो गए और एक– दूसरे पर लाठियों से हमला कर दिया। घटना में दोनों पक्षों से कुल 18 लोग घायल हो गए। जिनमें से 12 का भीलवाड़ा के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में इलाज जारी है। जबकि 6 का मांडल के हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। पीड़ित बबलू मोहम्मद ने बताया कि आरोपियों से जमीन को लेकर हमारा पुराना विवाद चल रहा है। मेरे पिता जुम्मे की नमाज पढ़ कर अपने खेत पर जा रहे थे।

श्री आत्म वल्लभ जैन स्कूल में दंत स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्री आत्म वल्लभ जैन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को दंत स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। विद्यालय कॉर्डिनेटर मुकेश सेठी ने बताया कि इस शिविर में सुरेंद्र डेंटल कॉलेज के डॉक्टरों द्वारा छात्र–छात्राओं को माउथ ओरल केयर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई। बच्चों को टूथब्रश करने के नियमों तथा तरीकों के बारे में बताने के साथ–साथ मुंह और दांत संबंधी परेशानियों से बचने के लिए आवश्यक सावधानियों की पालना करने के लिए प्रेरित किया गया। चिकित्सकों ने दंत जांच करते हुए विद्यार्थियों को समझाया कि बच्चों तथा व्यस्क व्यक्ति के लिए टूथब्रश करने का तरीका अलग–अलग होता है, जिसके बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। शिविर में दंत रोग विशेषज्ञों ने कहा कि दांतों के सफेद रंग को इनेमल कहा जाता है तथा नियमित ब्रश नहीं करने से दांत पीले हो जाते हैं एवं डेंटल कैविटी की शुरुआत हो जाती है। हम जब मीठा

खाते हैं और उसके बाद नियमित रूप से अपने मुंह को पानी से कुल्ला करके यदि साफ नहीं करते हैं तो दांतों और मसूड़ों के बीच की जगह, जिसे डेंटल लैंग्वेज में पॉकेट कहा जाता है, में कीड़े लगने शुरू हो जाते हैं। समय पर इलाज व देखभाल के अभाव में इसका अंतिम इलाज आर.सी.टी. यानि रूट कैनाल होता है। विद्यार्थियों को दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि मुंह में दो तरह के नर्वस सिस्टम होते हैं, जिन्हें डेंटल और पल्प कहा जाता है। इन्हीं के द्वारा हमें ठंडा और गर्म का एहसास होता है। जब हमारे मुंह से ब्रश करने के साथ–साथ खून निकलता है तो उसे ब्लीडिंग गम का नाम दिया जाता है, जो इलाज नहीं करवाने तथा तथा नियमित रूप से ब्रश नहीं करने पर पायरिया बीमारी का रूप धारण कर लेता है। इसके अलावा भी बच्चों को मुख स्वास्थ्य तथा दांतों की सुरक्षा व सफाई सम्बन्धी अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। इस मौके पर सुरेंद्र डेंटल कॉलेज की टीम द्वारा विद्यार्थियों को टूथपेस्ट तथा दंत स्वास्थ्य सम्बन्धी पोस्टर भी वितरित किया गया। प्रधानाचार्य श्रीमती ममता अरोड़ा जैन ने सफल आयोजन के लिए चिकित्सकों व डेंटल टीम का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया तथा सुरेन्द्रा डेंटल कॉलेज का आभार व्यक्त किया।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में विद्यार्थियों को दी विदाई

चूनावढ़ (जनमार्ग न्यूज)। स्थानीय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शुक्रवार को बीएसटी 2023 के प्रवेश बैच के विद्यार्थियों को 2 वर्ष पूर्ण होने पर उन्हें विदाई पार्टी दी गई यह की 2023–24 के विद्यार्थियों को भावभिनी विदाई पार्टी दी गई इससे पूर्व मां सरस्वती की प्रतिमा पर संस्था प्रभारी ताराचंद द्वारा ज्योतपरवजलित कर कार्यक्रम को शुरू करवाया गया इस दौरान विद्यार्थियों ने नाटक, चुट कुले व डीजे की धुन पर भजन गोरी नाचे के नागोरी नाचे ठुमक ठुमक गोरी नाचे रंगारंग संस्कृति प्रस्तुतियों ने समां बांधे रखा इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संस्था प्रभारी ताराचंद बिश्नोई पी एस टी ई प्रभाग प्रभारी शिल्पी शर्मा व संस्था स्टाफ मौजूद रहा।

शराब के नशे में कीटनाशक सेवन से मृत्यु

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। नई मंडी घड़साना थाना इलाके में शराब के नशे में कीटनाशक दवा का सेवन करने से एक युवक की मृत्यु हो गई। पुलिस के मुताबिक चक 15–एच हिशामकी निवासी गोवर्धन सांसी (21) ने विगत एक मार्च को शराब के नशे में कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया था। उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल में लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार देने के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। उसका बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था।गोवर्धन की कल मृत्यु हो गई। उसके भाई मुकेश द्वारा दी गई रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज की गई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम होने के बाद लाश परिवारजनों के सुपुर्द कर दी। पुलिस ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

चालक संघ ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों को सौंपा ज्ञापन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। ऑल ड्राईवर वेल्फेयर एसोसिएशन के बैनर तले सर्व चालक कल्याण संघ हनुमानगढ़ के सदस्यों ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय परिवहन मंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को जिला कलक्टर के माध्यम से एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में उन्होंने राष्ट्रीय चालक आयोग का गठन करने, ड्राईवर डे घोषित करने और अन्य कई मांगों को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। संघ के प्रदेश महासचिव सतनाम सिंह ने बताया कि देशभर में चालक समुदाय का जीवन दिन-प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है। सड़क पर काम करने वाले चालक, जो अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं, उन्हें हर दिन बढ़ती समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, गाड़ी मालिक, ट्रांसपोर्टर, ट्रैवल कंपनियां और आम नागरिकों द्वारा चालक वर्ग के साथ होने वाले अत्याचार और शोषण की घटनाएं आम हो चुकी हैं। इस प्रकार की

स्थितियों ने चालकों को आर्थिक और मानसिक शोषण का शिकार बना दिया है। सतनाम सिंह ने बताया कि चालक समुदाय के सामने आए दिन उत्पन्न होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए राष्ट्रीय चालक आयोग का गठन किया जाना अत्यंत आवश्यक है। यह आयोग चालकों की समस्याओं का तत्काल समाधान कर सकेगा और उन्हें उनके अधिकारों से संबंधित मदद प्रदान कर सकेगा। इसके अलावा, राज्य और प्रदेश स्तर पर चालकों के कल्याण के लिए एक स्थायी बोर्ड का गठन भी जरूरी है, ताकि चालकों और उनके परिवारों को राहत और कल्याणकारी लाभ मिल सके। ज्ञापन में यह भी अनुरोध किया गया कि एक अलग दिवस को ड्राईवर डे के रूप में घोषित किया जाए, ताकि देश के हर हिस्से में काम करने वाले चालकों की कठिनाइयों और संघर्षों के प्रति जागरूकता फैल सके और उनके योगदान को सम्मानित किया जा सके। चालक संघ के सदस्यों का कहना है कि देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चालकों पर निर्भर है। इनकी मेहनत और समर्पण के कारण ही देश में परिवहन सेवा चलती है। इसलिए, इनकी समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाना बेहद जरूरी है। संघ ने उम्मीद जताई है कि सरकार इन मांगों को गंभीरता से लेगी और चालकों को जल्द ही राहत मिलेगी। इस ज्ञापन में शामिल विभिन्न मांगों में चालक समुदाय की बेहतरी और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए सरकार से जल्द कदम उठाने की अपील की गई है। इस मौके पर गोपी सिंह राजपूत सतनाम सिंह सैनी राजू राजपुरोहित सोनू सिंह मौजूद थे।

जैसलमेर रोड पर प्रशासन तोड़ रहा है अतिक्रमण

कलक्टर के आदेश के बाद सड़क के दोनों तरफ रास्ता साफ करने की तैयारी

जनमार्ग न्यूज

बीकानेर। बीकानेर के जैसलमेर रोड पर कलेक्टर और एसपी के भ्रमण का असर दिखना शुरू हो गया है। शुक्रवार से यहां अतिक्रमण तोड़ने का सिलसिला शुरू हुआ, जो रविवार तक जारी रहेगा। फिलहाल लोग खुद अपनी अवैध दुकानें, खोखे और सामान को हटाने में जुटे हैं। जिला प्रशासन ने नेशनल हाईवे को पूरी तरफ चौड़ा करने की तैयारी कर ली है। इसके लिए सड़क के मध्य से करीब 75 फीट के दायरे में आने वाले सभी निर्माण कार्यों को ध्वस्त किया जा रहा है। इसमें प्राइवेट बस स्टेंड के आसपास की काफी दुकानें टूटने की तैयारी में है। इसके अलावा कोठारी अस्पताल के आस-पास

लगे कई ठेलों को हटा दिया गया है। एक भवन के आगे बनी पार्किंग दीवार को तोड़ दिया गया है। प्रशासनिक अमले ने महाराजा गंगा सिंह युनिवर्सिटी तक बने सभी निर्माण ध्वस्त करने के निर्देश दिए हैं। दुकानों को समय दिया गया है कि वो अवैध निर्माण को अपने स्तर पर हटा लें, अन्यथा प्रशासन इसे तोड़ देगा। न सिर्फ तोड़ेगा, बल्कि तोड़ने पर आने वाला खर्च भी कब्जाधारक से वसूला जाएगा। प्रशासन आम कब्जों को तोड़ रहा है लेकिन प्राइवेट बस स्टेंड और चूंगी चौकी क्षेत्र में सड़क से कुछ दूरी पर ही मंदिर बने हुए हैं। जिन्हें नहीं हटाया जाएगा।

श्री पीरखाना में 28 वें शुभ सालाना दीवान का आयोजन

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। टाउन जंक्शन रोड स्थित दुख निवारण पीर निगाहा श्री पीरखाना हनुमानगढ़ टाउन का 28वां वार्षिक दीवान शुक्रवार सुबह रोजा स्नान के साथ हुआ। श्रीपीरखाना समिति अध्यक्ष श्रीराम गोयल ने बताया कि उक्त सालाना दीवान गद्दीदार बाबा संदीप कुमार गर्ग के सानिध्य में मनाया जा रहा है। सुबह से ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पीरखाना में पहुँचकर रोजे स्नान करवाये व साथ ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने श्री पीरखाना में पहुँचकर बाबा लखदाता पीर और बाबा हैदर शेख़ मीरां साहिब जी की मजार पर चादर चढ़ाई व मत्था टेका। उन्होने बताया कि उक्त आयोजन में पंजाब, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र सहित दूर दूर से श्रद्धालु पहुँच रहे है। गद्दीदार बाबा संदीप कुमार गर्ग की देखरेख में हर वर्ष सलाना दीवान सजाए जाते है। उन्होने बताया कि रात्रि को शुभ सालाना दीवान का आयोजन होगा, जिसमें आमंत्रित बाबाजी के भजनों का गुणगान करेंगे व साथ ही अटूट लंगर भी बरताया जायेगा। गद्दीदार बाबा संदीप कुमार गर्ग ने बताया कि श्री पीरखाना की स्थापना 28 साल पहले हुई थी। तब से लेकर आज तक यहां शुभ दीवान सजाए जा रहे हैं। श्री पीरखाना में हरियाणा, पंजाब तथा दिल्ली से हजारों श्रद्धालु यहां मत्था टेकने आते हैं। हर साल यहां श्रद्धालु बाबा की मजार पर चादर चढ़ाकर अपनी मन्नतें मांगते हैं। भण्डारे में प्रसाद ग्रहण करते हैं। बाबा ने बताया कि श्री पीरखाना में शुक्रवार सुबह से लेकर रात 12 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए भण्डारा लगाया जा रहा है। इसमें संगरिया से 50 सेवादार, मंडी डबवाली से 65 और टाउन के 130 सेवादारों की ड्यूटी लगाई है। ये सेवादार भण्डारे में श्रद्धालुओं को भोजन ग्रहण करवाने में सहायता कर रहे है।

श्री अमृतवाणी सत्संग व भजन कीर्तन कल

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीराम शरणम् सेवा समिति द्वारा 9 मार्च, रविवार को प्रातः 9 बजे से 10.30 बजे तक विनोबा बस्ती स्थित श्री दुर्गा मंदिर में प्रातः स्मरणीय परम श्रद्धेय स्वामी सत्यानंद जी महाराज एवं गुरुजनों के आशीर्वाद से विशेष श्री अमृतवाणी सत्संग व भजन कीर्तन का आयोजन किया गया है। मुख्य सेवादार एडवोकेट सुरेंद्र मेहंदीरत्ता ने बताया कि श्रीराम शरणम् मंदिर, गोहाना धाम में चल रहे अखण्ड राम नाम जप यज्ञ की पूर्णाहुति 9 मार्च, 2025 रविवार को सम्पन्न होने जा रही है। इस कार्यक्रम में श्रीगंगानगर से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु-भक्त शामिल होंगे। किसी कारणवश कोई साधक भाई-बहन गोहाना धाम नहीं जा सकते हैं, उनके लिए राम नाम जप यज्ञ पूर्णाहुति उत्सव श्री दुर्गा मंदिर, विनोबा बस्ती, श्रीगंगानगर में मनाया जा रहा है। सत्संग के पश्चात् गुरु का अटूट लंगर प्रसाद वितरित किया जाएगा। उन्होंने साधकों व शहरवासियों से 9 मार्च, रविवार को प्रातः 9 बजे से 10.30 बजे तक विनोबा बस्ती स्थित श्री दुर्गा मन्दिर में आयोजित विशेष श्री अमृतवाणी सत्संग व भजन कीर्तन में अधिकाधिक संख्या में शामिल होकर गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया गया है।

फाल्गुन मेले में श्रद्धालु नवा रहे हैं शीश

- मंदिर प्रांगण की आभा ने किया पूरा सुदामानगर रोशन

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सिद्ध धाम श्रीखाटू श्याम धाम मंदिर ,सुदामानगर में चल रहे श्रीश्याम जी सतरंगी फाल्गुन मेले के आज तृतीय दिवस प्रातः काल से ही श्रद्धालुओं की लाइन मंदिर प्रांगण में लग गई। मंदिर के मुख्य सेवादार संदीप शेरेवाला ने बताया कि इस अवसर पर सैकड़ो श्याम श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के समक्ष नतमस्तक होकर अपनी-अपनी मन्नतें मांगी। मंदिर प्रांगण बाबा श्याम के जयकारों से गूंज उठा। आये हुए श्रद्धालु मंदिर प्रांगण में भजन संकीर्तन कर रहे थे । मंदिर प्रांगण में सेवादारों द्वारा पुष्प वर्षा व इत्र वर्ष की गई। शेरैवाला ने बताया कि मंदिर प्रांगण को बड़े भव्यता से सजाया गया है। जिसकी रोशनी पूरे सुदामानगर को जगमग कर रही है । प्रतिदिन बाबा श्याम का श्रृंगार कोलकाता के फूलों से किया जा रहा है। जो कि अपने आप में अद्धभुत व अनुपम लग रहा है। जो भी श्रृंगार को देख रहा है, वह अपने आप को गौरवान्वित महसूस

कर रहा है। पूरे दिन भर अलग-अलग स्थान से ध्वजा यात्राएं भी मंदिर प्रांगण में पहुंच रही हैं । श्याम श्रद्धालु रंग गुलाल लगाते हुए नृत्य करते हुए मंदिर प्रांगण में पहुंच रहे हैं। शेरेवाला ने बताया कि सुदामानगर धाम सिद्ध धाम बन गया है । इसीलिए इस वर्ष मेले में श्रीगंगानगर ही नहीं दूर-दूर से श्रद्धालु बाबा श्याम के समक्ष नारियल चढ़कर अपनी-अपनी मन्नतें बाबा से मांग रहे हैं। रात्रि हुए जागरण में भजन प्रवाहक गुजरात सूरत से पधारे अमित शेरेवाला ने अपने भजनों की ऐसी तान छड़ी की प्रत्येक श्रद्धालु मदमस्त हो गया। उनकी आंखों से इन भावपूर्ण भजनों को सुनकर अश्रुधारा बह उठी। पकौड़े और चाय की व्यवस्था भी सेवादारों द्वारा की गई। इस विशाल मेले में सेवादार अपनी-अपनी ड्यूटिया संभाले हुए हैं। ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम व व्यवस्थित दर्शन हो सके। शेरेवाला ने बताया कि आज दोपहर 3.00 बजे से 6.30 बजे तक सुंदरकांड मा पाठ होगा। यह सुंदरकांड महापाठ के के शर्मा, विशाल सोडा, दीपांशु शर्मा,नरेंद्र अग्रवाल,पवन वर्मा, प्रवीण, व अन्य श्याम प्रेमीयो द्वारा किया जाएगा। रात्रि संकीर्तन 8.15 बजे से प्रारंभ होगा। जिसमें शहर के मुख्य भजन प्रवाहक अपने भजनों के माध्यम से आए हुए श्रद्धालुओं को निहाल करेंगे।

हेरोइन के साथ दो युवक गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज

सिरसा। सिरसा जिला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण के नेतृत्व में चल रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए सिरसा पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवकों से पुलिस टीम द्वारा पूछताछ की जा रही है, ताकि नेटवर्क से जुड़े लोगों को पता लगाया जा सके। सीआईए प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रेम कुमार ने बताया कि आरोपी जगतार सिंह उर्फ नूना और भीम सिंह गांव रोड़ी के रहने वाले हैं। दोनों को नहर पुल सुरतिया रोड से पकड़ा गया। पुलिस को देखते ही दोनों भागने की कोशिश कर रहे थे। तलाशी के दौरान जगतार सिंह से 43 ग्राम 58 मिलीग्राम और भीम सिंह से 31 ग्राम 75 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। दोनों के खिलाफ रोड़ी थाने में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड की मांग करेगी। पूछताछ के दौरान हेरोइन तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जाएगी। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद अन्य आरोपियों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

चूनावढ़ थाना में हुई सीएलजी सदस्यों की बैठक आयोजित

जनमार्ग न्यूज

चूनावढ़। थाने में सीएजी सदस्यों की आज बैठक हुई। चूनावढ आईपीएस अजेय सिंह राठौड़ ने बैठक की अध्यक्षता की है उन्होंने होली व रमजान के त्योहार को शांतिपूर्वक तरीके से मनाने पर जोर दिया जाये। होली का जुलूस हर्षोल्लास के साथ निकाला जाए। साथ ही किसी धर्म या समाज के लोगों की भावनाओं को ठेस न पहुंचे, पुलिस असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखेगी। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि कोई भी गड़बड़ी दिखे तो तुरंत पुलिस

को सूचित करें। बैठक में मोजूद ग्रामीण सीओ राहुल यादव, एसएचओ मलकीयत सिंह, सीएजी सदस्य मौजूद थे।

मारवाड़ी युवा मंच को बनाया निष्य मित्र

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। राजस्थान सरकार द्वारा चालाये जा रहे टीबी मुक्त अभियान के अंतर्गत निषय मित्र योजना के तहत मारवाड़ी युवा मंच को निष्य मित्र बनाया गया है। मारवाड़ी युवा मंच ने टीबी मरीजों को चिन्हित कर ब्लॉक सीएमएचओ कार्यालय में पोषण सामग्री वितरित किया। मारवाड़ी युवा मंच की तरफ से टीबी मरीजों को 50 पैकेट पोषण सामग्री ब्लॉक सीएमएचओ डॉ मनोज अग्रवाल, मंच सदस्य डॉ राहुल छाबड़ा, डॉ आर आर यादव, महेंद्र जैन, मुकेश स्वामी, उदय भार्गव ने वितरण करके मारवाड़ी युवा मंच ने भविष्य में सहयोग करने का भरोसा दिलाया।

महिला एवं बाल विकास विभाग का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में तीन दिवसीय पोषण भी, पढ़ाई भी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण और शिक्षा को सुदृढ़ करने के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम की मुख्य ट्रेनर सीडीपीओ सुनीता शर्मा रहीं, जिन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से प्रशिक्षण के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। उनके साथ महिला पर्यवेक्षक कमलजीत कौर, मधु महाजन, रजनी, संतोष खीचड़, ब्लॉक कोडिनेटर निशांत कुमार ने भी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया। ब्लॉक कोऑर्डिनेटर निशांत कुमार ने कार्यक्रम के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी। सीडीपीओ सुनीता शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण और शिक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए यह प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं को बताया गया कि कैसे वे अपने आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को पोषणयुक्त

भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनकी प्रारंभिक शिक्षा को भी बेहतर बना सकती हैं।महिला पर्यवेक्षक कमलजीत कौर ने बताया कि इस प्रथम प्रशिक्षण सत्र में 81 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है। आने वाले दिनों में अन्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से नई गतिविधियों और आधुनिक शिक्षण तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षण में भाग लेने वाली सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को राज्य सरकार द्वारा अधिकृत प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण में शामिल आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने इसे एक महत्वपूर्ण और ज्ञानवर्धक अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें पोषण और शिक्षा से जुड़े नए तौर-तरीकों की जानकारी मिली, जिससे वे अपने केंद्रों पर बच्चों के समग्र विकास के लिए बेहतर कार्य कर सकेंगी।

सामूहिक विवाह के उपलक्ष्य में आज शाम निकलेगी जागो

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। एच ब्लॉक डिग्गी के नजदीक श्री गुरुनानक कृष्णा मन्दिर द्वारा आयोजित जरूरतमंद कन्याओं के सामूहिक विवाह की पूर्व संध्या पर आज शाम 5 बजे जागो निकाली जाएगी, जोकि एच ब्लॉक स्थित डॉ. भरत मैय्यर के निवास से आरंभ होकर सैंट्रल मार्केट मेन रोड से खरबन्दा मैडिकल व प्रीति जनरल स्टोर के सामने से होते हुए आयोजन स्थल पर पहुंचेगी, जहां आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में डीजे साउण्ड एवं पंजाबी सभ्याचार ग्रुप यूनियन के संरक्षक व विशेष सलाहकार सूरज सोनी व बेअंत भट्टी भांगड़ा ग्रुप सहित पंजाब व राजस्थान से आए कलाकार जागो, गिद्दा,

भांगड़ा, राजस्थानी व पंजाबी लोकगीतों के साथ मनमोहक प्रस्तुतियां देंगे। इस बीच कन्याओं की मेहंदी रस्म अदायगी होगी। संस्था प्रधान मनजीत सिंह मंड ने बताया कि कल रविवार मुख्य कार्यक्रम में मन्दिर परिसर के सामने लगाए गए पाण्डाल में गुरूनानक कृष्णा मन्दिर समिति पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों की ओर से सुबह 10 बजे बारातियों का स्वागत किया जाएगा उसके उपरांत प्रातः 11 बजे सभी जोड़ों के धर्म अनुसार आनंद कारज व वैदिक रीति से फेरे करवाए जाएंगे। समिति के महासचिव मुनीश कुमार लड्ढा ने बताया कि समिति की ओर से बारातियों व घरातियों के लिए चाय व नाश्ते की व्यवस्था की गई है, साथ ही आयोजन में शामिल संगत में गुरू का अटूट लंगर बरताया जाएगा। उन्होंने बताया कि शाम पांच बजे नवविवाहित जोड़ो को विदाई दी जाएगी। समिति अध्यक्ष मंड ने बताया कि सामूहिक विवाह के उपलक्ष्य में आयोजन स्थल पर कान्हा डेंटल केयर्स की संचालक डॉ. दामिनी सिंह (बीडीएस) की टीम द्वारा आज व कल निःशुल्क डेंटल चेकअप कैंप लगाया जाएगा, जिसमें बारातियों व घरातियों सहित आमजन के दांतों की जांच कर निःशुल्क दवाइयां भी दी जाएंगी।

डॉ. ओपी गोयल दादा बने

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। पूर्व पीएमओ, वरिष्ठ चिकित्सा, समाजसेवी एवं हिन्दी प्रचार समिति के उपाध्यक्ष डॉ. ओ.पी. गोयल की पुत्रवधु डॉ. शैफाली गोयल ने चाँद से पुत्र को जन्म दिया है। डॉ. ओ.पी. गोयल के दादा बनने पर जगीरचन्द फरमा, मनीराम सेतिया,मदन अरोड़ा, अवतार सिंह मल्होत्रा, इन्दूभूषण चावला, सुशील बांठिया, सुरेन्द्र शर्मा, अशोक किंगर, रिम्पा तलवार ने नवजात बच्चे के दादा-दादी एवं पिता डॉ. नितेश गोयल माँ डॉ. शैफाली गोयल को हार्दिक बधाई दी है।

गुरुद्वारा बाबा दीपसिंह शहीद में जयकारों का उदघोष, उमड़ा संगत का सैलाब

❑ गुरबाणी कीर्तन से संगत हुई निहाल ❑ तीन दिवसीय महान कथा कीर्तन दरबार संपन्न

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। पदमपुर रोड स्थित गुरुद्वारा धन धन बाबा दीप सिंह शहीद में 5,6 व 7 मार्च को अमर शहीद बाबा दीप सिंह जी के शहीदी दिहाड़े को समर्पित तीन दिवसीय महान कथा कीर्तन दरबार बड़ी चडदी कला, श्रद्धा व उत्साह के साथ संपन्न हुए। मुख्य सेवादार तेजिंदर पाल सिंह टिम्मा के अनुसार गुरुद्वारा धन धन बाबा दीप सिंह शहीद में बाबा जी के शहीदी दिहाड़े के उपलक्ष में महान कथा कीर्तन दरबार रोजाना शाम को 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक किए गए। इस विशेष समागम में सिख पंथ के महान रागी, कथावाचक संगतो को गुरबाणी कथा कीर्तन के द्वारा निहाल किया । आज तीसरे दिन के समागम शाम को 7ः00 बजे रहिरास साहिब जी के पाठ के साथ आरंभ हुए ।उपरांत हजूरी रागी भाई दलीप सिंह धुरी ने गुरबाणी कीर्तन का गायन किया। तत्पश्चात बाबा गगनदीप सिंह जी करतारसर वालों ने संगत को गुरबाणी के साथ निहाल किया। उन्होंने बाबा दीप सिंह जी शहीद के जीवन वृतांत का व्याख्यान किया। उन्होंने बताया कि बाबा दीप सिंह जी सेवा सिमरन व समर्पण की अनोखी मिसाल हैं।इसके पश्चात आज तीसरे दिन के आखिरी महान कथा कीर्तन दरबार में भाई साहिब भाई शुभ दीप सिंह जी हजूरी रागी दरबार साहिब अमृतसर साहिब वालो ने संगत के दर्शन किये। उन्होंने गुरमुख संत संतोख, तेरियां भगता को बलिहारा, सुरा सो पहचानिए जो लड़े दिन के हेत इत्यादि शब्दों का गायन किया । पूरे समागम में बोले सो निहाल सत अकाल के जयकारों का उदघोष होता रहा।तीनों दिन के समागम में हजारों की तादाद में संगत ने अपनी हाजिरी लगाई। हर तरफ संगत का सैलाब उमड़ रहा था। हर कोई गु शहीदा में गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष नतमस्तक होने को आतुर था।समागम की समाप्ति उपरान्त मुख्य सेवादार तेजिंदर पाल सिंह टिम्मा ने संगत का आभार व्यक्त किया। तीनों दिन के समागम में तेजिन्दर पाल सिंह टिम्मा और सुखदेव सिंह पंछी ने मंच संचालन की सेवा निभाई। इस समागम में गंगानगर के अलावा पंजाब, हरियाणा ओर अन्य स्थानों से संगत ने अपने श्रद्धा सुमन प्रकट किए। बाहर से आने वाली सभी संगत के लिए ठहरने, लंगर इत्यादि के सभी पुख्ता प्रबंध किए गए थे । इस समागम में मुख्य सेवादार तेजिंदर पाल सिंह टिम्मा के नेतृत्व में प्रधान हरप्रीत सिंह बबलू भाटिया, सतनाम सिंह लाड़ा, अमरजीत सिंह शेरी, सुखदेव सिंह पंछी, अरविंदर सिंह शिपू, अमन दीप सिंह ,अंग्रेज सिंह, डॉक्टर लखविंदर सिंह, जसविंदर सिंह, कमलजीत सिंह,सुखचरण सिंह पंछी, अवतार सिंह, परमजीत सिंह, सिफत सिंह इत्यादि सेवादार जिम्मेदारी से सेवा निभा रहे है। सारे समागम के दौरान गुरु का अटूट लंगर बरताया गया।

ट्रैक्टर ने युवक को कुचला, मौत

सादुलपुर (जनमार्ग न्यूज)। सादुलपुर के बिसलन गांव में शुक्रवार रात करीब 8 बजे एक युवक को ट्रैक्टर ने कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आरोपी ड्राइवर ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। आरोपी को पकड़ने की मांग को लेकर परिजन तीन घंटे तक शव के साथ मौके पर बैठे रहे। पुलिस की समझाइश के बाद शव को मॉर्चुरी में रखवाया गया। फिलहाल, शनिवार सुबह 10.30 बजे तक शव का पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया था। जानकारी के अनुसार बिसलन गांव का रहने वाला इंदर सिंह (40) शुक्रवार रात अपने घर जा रहा था। इस दौरान बिसलन से गगड़वास मार्ग पर पीछे से एक ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आरोपी ड्राइवर ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़ने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। उन्होंने शव को उठाने से इनकार कर दिया। सूचना मिलते ही थाना अधिकारी राजेश सिहाग मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारी की समझाइश के बाद ग्रामीण माने और रात करीब 11 बजे शव को सादुलपुर हॉस्पिटल की मॉर्चुरी में रखवाया गया।

पटाखे बजाने वाले बुलेट बाइक को किया जाएगा सीज

● त्योहारों को देखते हुए सीएलजी की बैठक आयोजित

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। होली, रमजान और हनुमान जयंती को देखते हुए शुक्रवार को भादरा पुलिस थाने में सीएलजी की बैठक आयोजित की गई। एसडीएम कल्पित श्योराण की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में कई अहम मुद्दे उठे। बैठक में जनप्रतिनिधियों और पुलिस अधिकारियों ने त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने पर चर्चा की। अधिकारियों ने सभी समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने का वादा किया। सीएलजी सदस्य कालूराम गोस्वामी ने मुख्य सड़कों पर अव्यवस्थित पार्किंग का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि इससे यातायात प्रभावित हो रहा है। एसडीएम ने पार्किंग व्यवस्था में सुधार का आश्वासन दिया। नन्दलाल सैनी ने अपने वार्ड में नशीले पदार्थों की बिक्री का मामला उठाया। उन्होंने एक महिला और उसके पुत्र पर चिट्टा बेचने का आरोप लगाया। पार्षद दयानंद खोखेवाला ने नशे के कारण बढ़ती चोरी की घटनाओं पर चिंता जताई। वीरेन्द्र बैनीवाल ने बालिका कॉलेज के पास मनचले युवकों की गतिविधियों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इससे छात्राएं परेशान हैं। पुलिस ने सभी मुद्दों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। बैठक में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और पुलिस अधिकारियों ने त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने पर चर्चा की। अधिकारियों ने सभी समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने का वादा किया। बैठक में उपखण्डाधिकारी कल्पित श्योराण ने कहा कि आने वाले समय में होली, रमजान माह, हनुमान जयंती जैसे कई प्रमुख त्योहार हैं। इन त्योहारों के दौरान प्रशासन की ओर से यही अपेक्षाएं हैं कि समाज में शांति बनी रहे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी प्रकार के जुलूस या तात्कालिक कार्यक्रमों का आयोजन हो तो वह पूर्व निर्धारित मार्गों से ही निकाले जाएं, ताकि ट्रैफिक और सुरक्षा की समस्या न बने। डीएसपी संजीव कटेवा ने बैठक में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने, सड़क पर अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों पर कार्रवाई करने और मनचले युवकों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि पटाखे बजाने वाले मोटरसाइकिलों को सीज किया जाएगा ताकि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की संभावना न बने। इस बैठक में भादरा पुलिस और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग भी उपस्थित थे। सभी ने एकजुट होकर आगामी त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी असामाजिक तत्व से सख्ती से निपटने का संकल्प लिया।

हनुमानगढ़ पुलिस को मिले 9 नए एफआरवी वाहन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ जिले की पुलिस को राज्य सरकार और पुलिस मुख्यालय से नौ नए एफआरवी वाहन मिले हैं। डीआईजी और सह एसपी अरशद अली ने शुक्रवार को एसपी ऑफिस से सभी नौ वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में एडिशनल एसपी जनेश तंवर, नीलम चौधरी और सीओ सिटी मीनाक्षी समेत कई पुलिस अधिकारी मौजूद थे। डीआईजी अरशद अली ने बताया कि पहले जिला पुलिस के पास 12 एफआरवी वाहन थे। नए वाहनों के आने से अब कुल संख्या 21 हो गई है। नए वाहनों को जंक्शन, टाउन, सदर, रावतसर, पीलीबंगा, संगरिया, गोलूवाला, फेफाना और गोगामेड़ी थानों में भेजा गया है। जंक्शन, टाउन और पीलीबंगा जैसे बड़े थानों में अब दो-दो एफआरवी वाहन तैनात हैं। सभी वाहन अभय कमांड और कंट्रोल रूम से जुड़े रहेंगे। नागरिक 112 नंबर पर शिकायत कर सकते हैं।

हरियाणा-यूपी के बीच सुलझेगा सीमा विवाद

● डिमार्केशन कॉलम के लिए 7.75 करोड़ मंजूर ● 1950 से चल रहा विवाद, आयोग तक बन चुका

जनमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। दशकों से चले आ रहे हरियाणा और उत्तर प्रदेश के बीच सीमा विवाद अब सुलझने की उम्मीद है। इसके लिए सरकार की ओर से डिमार्केशन कॉलम (सरहदबंदी) के लिए 7.75 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति दे दी है। इस परियोजना को अब डिटेल्ड इस्टीमेट की मंजूरी का इंतजार है, जिसके बाद काम शुरू करने के लिए निविदाएं जारी की जाएंगी। दोनों राज्यों के बीच यह भूमि विवाद 1950 के दशक से चला आ रहे है, जिसके कारण अक्सर किसानों के बीच हिंसक झड़पें होती रहती हैं। यमुना के लगातार बदलते मार्ग ने उलझन को और बढ़ा दिया है, क्योंकि हरियाणा के किसानों द्वारा खेती की जाने वाली भूमि अक्सर यूपी की तरफ चली जाती है। सीमा विवाद को सुलझाने के लिए 1970 के दशक में दीक्षित समिति का गठन किया गया था। 1979 में, दीक्षित पुरस्कार या हरियाणा-यूपी सीमा परिवर्तन अधिनियम-1979 को उस समय नदी के प्रवाह के आधार पर सीमा निर्धारित करने के लिए पेश किया गया था। हालाँकि, कई सीमा स्तंभ बाढ़ में बह गए या कथित तौर पर हटा दिए गए, जिससे वर्षों से विवाद फिर से शुरू हो गए। जनवरी 2020 में दोनों राज्य सरकारों ने एक संयुक्त बैठक की, जिसमें सर्वे ऑफ इंडिया की सहायता से गायब सीमा स्तंभों को फिर से बनाने पर सहमति व्यक्त की गई। इस योजना में यमुनानगर से पलवल तक यमुना के 300 किलोमीटर लंबे हिस्से में दोनों राज्य पीडब्ल्यूडी द्वारा स्तंभ लगाए जाने की बात शामिल थी। अक्टूबर 2020 में करनाल के बड़ी कलां गांव में परीक्षण चरण शुरू हुआ, जहां सर्वे ऑफ इंडिया ने खंभों के स्थान की पहचान की। हरियाणा पीडब्ल्यूडी को 20 खंभे लगाने थे, जबकि यूपी पीडब्ल्यूडी को 24 खंभे लगाने थे, लेकिन हरियाणा केवल नौ खंभे ही लगा पाया। जून 2021 में परियोजना की समीक्षा की गई, लेकिन बाढ़ और रसद संबंधी बाधाओं ने प्रगति को रोक दिया। मौजूदा परियोजना के तहत अकेले करनाल जिले में 604 खंभे लगाए जाएंगे, जबकि हरियाणा और उत्तर प्रदेश में 302-302 खंभे लगाए जाएंगे। हरियाणा विषम संख्या वाले खंभे लगाएगा, जबकि उत्तर प्रदेश सम संख्या वाले खंभे लगाएगा।

स्कूल से लौट रहे तीन विद्यार्थियों को कार ने मारी टक्कर, घायल

जनमार्ग न्यूज

अबोहर। फाजिल्का जिले के अबोहर के दाना मंडी में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। खालसा स्कूल से बाइक पर घर लौट रहे तीन स्टूडेंट को एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में तीनों स्टूडेंट घायल हो गए। मामले की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस जांच कर रही है। घायल छात्रों की पहचान सीड फॉर्म के 13 वर्षीय हरप्रीत (प्रेम का पुत्र), 17 वर्षीय अजय कुमार और 15 वर्षीय कुलजीत के रूप में हुई है। दाना मंडी के पास हुए हादसे की सूचना बल्लूआना विधायक अमनदीप गोल्डी मुसाफिर के कार्यालय को मिली। विधायक ने तुरंत अपनी पायलट गाड़ी भेजकर घायलों को अस्पताल पहुंचवाया। पुलिस की मौजूदगी में छात्रों का एक्स-रे कराया गया।

भगवान की अनुपम कृति नारी शक्ति व प्रेरणा है

नारी सृष्टि की अनुपम देन है तथा प्रेम, दया, त्याग व श्रद्धा की प्रतिमूर्ति है। किसी राष्ट्र की सभ्यता और संस्कृति के निर्माण तथा विकास में नारी का योगदान महत्वपूर्ण होता है। मानव जीवन का प्रत्येक क्षेत्र नारी के अभाव में अपूर्ण है। 'मनुस्मृति' में कहा गया है कि 'जहाँ नारियों को पूजा जाता है, वहाँ देवता निवास करते हैं।' जिस देश की नारी जागृत, सुशिक्षित एवं संस्कारित होती है, वही देश और समाज संसार में सबसे उन्नत माना जाता है। नारी गृहस्थ का केन्द्र बिन्दु तथा परिवार की आधारशिला होती है। नारी शक्ति है, प्रेरणा है और जीवन की आवश्यक पूर्ति है। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1975 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष और 1980 को महिला विकास वर्ष घोषित किया, तभी से हर वर्ष 8 मार्च को महिला दिवस मनाया जाता है। इस दिन दुनियाभर में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं तथा सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाता है।

नारी स्वयं में इतनी महत्त्वपूर्ण होते हुए भी मध्यकाल से वर्तमान काल में नारी की स्वतंत्रता व उसकी प्रतिष्ठा में परिवर्तन आया है। मध्यकाल में नारी को अबला माना जाता था तथा नारी को अभिव्यक्ति की आजादी नहीं थी। कवि 'मैथिलिशरण गुप्त' ने कहा था 'अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी, आँचल में है दूध और आँखों में पानी।' अर्थात नारी को अबला माना जाता था तथा उसे घरेलू कामकाज की वस्तु माना जाता था एवं पूजा कार्य व मंदिर गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति नहीं थी। नारी को स्वतंत्रता व राजनीति में भाग लेने एवं शिक्षा का अधिकार पाने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा था। 19वीं शताब्दी के मध्य तक शिक्षा के क्षेत्र में मताधिकार, सम्पत्ति सम्बन्धी अधिकारों में समानता देने में कुछ प्रगति हुई तथा महिलाओं को सार्वजनिक जीवन एवं व्यवसायों में भाग लेने का अधिकार मिला। महिलाओं के दीर्घ संघर्ष के फलस्वरूप 19वीं शताब्दी में उन्हें राजनीति में भाग लेने व मत देने का अधिकार मिला है। विश्व के विभिन्न देशों जिनमें मुख्यतः न्यूजीलैण्ड में 1893, ऑस्ट्रेलिया में 1902 तथा कनाडा में 1909 में महिलाओं को मत देने का अधिकार मिला। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे आधुनिक देशों में महिलाओं को मताधिकार के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा तथा 26 अगस्त, 1920 को अमेरिका एवं 1944 में फ्रांस में महिलाओं को मताधिकार प्राप्त हुआ है। भारत देश में आजादी के बाद महिलाओं को मताधिकार का हक मिला, वहीं पाकिस्तान की महिलाओं को 1956 में पूर्ण मताधिकार मिला। भारत देश में दिसम्बर, 1992 में पंचायती राज निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण से जुड़े 73वें व 74वें विधेयक संसद में पारित हुए, जिससे राजनीतिक भागीदारी से ही महिला सशक्तिकरण की शुरुआत हुई है। परन्तु अब भी संसद व विधानसभाओं में महिला आरक्षण पर चिंतन व सुधार की आवश्यकता है। भारत देश के संविधान में महिलाओं को अधिकांश क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के पुरूषों के समकक्ष अधिकार दिये गये हैं। महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए 'राष्ट्रीय महिला आयोग' तथा विभिन्न राज्यों में 'राज्य महिला आयोग' की स्थापना की गई है। आज नारी शिक्षित होकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है।

विश्व महिला दिवस - 8 मार्च

आधुनिक युग में नारी शिक्षिका, डॉक्टर, वकील, प्रशासक व राजनैतिक एवं उद्योग-व्यवसाय के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। शारीरिक क्षमता में पुरूष से कमजोर माने जाने वाली महिलाओं ने अपने फौलादी इरादों के कारण वायु सेना, खेलकूद व अंतरिक्ष में भी कीर्तिमान स्थापित किए हैं। भारत की 'पीटी ऊषा', 'कमलजीत संधू', 'शायनी अब्राहम' ने खेलकूद क्षेत्र में, भारत की 'हरित देओल' ने वायुसेना का विमान उड़ाकर भारतीय महिला पायलट का गौरव हासिल किया है तथा 'कल्पना चावला' अंतरिक्ष में उड़ान भरने वाली प्रथम भारतीय महिला थी। इस प्रकार से नारी आज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय है तथा आदर्श सेविका बनकर देश के विकास में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही है।

कवयित्री महादेवी वर्मा के शब्दों में भारत की सामान्य नारी शिक्षित न होकर भी सुसंस्कृत है, जीवन मूल्यों से उसका परिचय अक्षरों द्वारा न होकर अनुभवों द्वारा हुआ है। इसी कारण आज की नीति, धर्मदर्शन, आचार, कर्तव्य आदि का अशिक्षित नारी को सहज ही बोध हो जाता है। जिससे शिक्षित नारी की अपेक्षा वह धरती के अधिक निकट और जीवन संग्राम में ठहरने के लिए अधिक समर्थ है। भारतीय महिलाएँ समाज की आधारशिला होती है राष्ट्र हित में उसका समर्पण समाज में सभी वर्गों को सदा प्रेरित व जागृत करता रहा है। भारतीय नारी ने हर युग में पुरुषों का साथ दिया है तथा देश के स्वतंत्रता संग्राम में भी नारी की अद्भुत प्रतिभा का परिचय मिलता है। झाँसी की रानी लक्ष्मी बाई जिसने अंग्रेजों के साथ रणभूमि में साक्षात चंडी के रूप में अपनी ताकत का लोहा मनवाया तथा अपने शौर्य, साहस व पराक्रम के कारण अंग्रेजों के दांत खट्टे किए थे। इसी प्रकार सरोजिनी नायडू, कमला देवी चट्टोपाध्याय, दुर्गा देवी बोहरा जो क्रांतिकारी दुर्गा भाभी के नाम से जानी जाती है, सुचेता कृपलानी, अरुणा आसफ अली आदि नारियों ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, अनेक बार जेल गयी तथा देश की आजादी के लिए खुद को समर्पित कर दिया।

रवीन्द्रनाथ टैगोर के अनुसार 'किसी भी राष्ट्र के उत्थान और पतन के लिए महिलाएं ही जिम्मेदार हैं।' पुरूषों के किसी भी आंदोलन की प्रेरणास्रोत महिलाएं ही होती हैं। हालांकि सामाजिक क्षेत्र में महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ है। फिर भी महिलाओं को शारीरिक और मानसिक हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। कुछ देशों में जिसमें भारत देश भी शामिल है, स्त्रियों के गर्भ में ही लिंग की जांच कर गर्भ में कन्या भ्रूण होने पर गर्भ गिरा दिया जाता है, जिससे स्त्री-पुरुष अनुपात बिगड़ रहा है। 'भ्रूण हत्या' को अपराध माना जाता है तथा इसके लिए हमारे देश में दण्ड दिया जाता है। स्त्री जाति व किशोरियों के साथ यौन दुर्व्यवहार, बलात्कार की घटनाएं, घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना व नारी उत्पीड़न आदि घटनाएं सम्पूर्ण पुरुष जाति पर कलंक है। इसके लिए सरकारों व समाज को कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस को प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों, कॉलेजों व विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं व गोष्ठियों के आयोजन में महिलाओं व बालिकाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों एवं उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जाना चाहिए तथा आज के दिन ही महिला सशक्तिकरण को कार्य रूप में लाने की आवश्यकता है एवं महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग करना, शिक्षित करना, स्वावलम्बी बनाना व अपनी सुरक्षा के लिए तैयार करना, जैसी मानसिकता विकसित करनी होगी, तभी महिला दिवस मनाना सार्थक है। वर्ष 2001 को महिला सशक्तिकरण वर्ष घोषित किया गया था, जिसका उद्देश्य मातृ शक्ति को सभी दृष्टि से सशक्त बनाना था। वर्ष 2023 में महिला आरक्षण विधेयक 2023 या नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा में बहुमत से पारित हो गया है। इसमें राज्य और केन्द्रीय विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करना निश्चित हुआ है। यह महिला सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम साबित होगा। बालक व बालिकाओं के प्रति समान व्यवहार व समान दृष्टिकोण की भावना को जागृत किया जाना आवश्यक है। महिला दिवस पर पुरुषों की मानसिकता बदलने से महिलाओं की दशा में सुधार की उम्मीद की जा सकती है। 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः' के वाक्य को जीवन में धारण करने का महिला दिवस पर संकल्प लेना चाहिए। सभी देशवासियों को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं।

संकलनकर्ता
मनीराम सेतिया (सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य)
109-एल ब्लॉक, श्रीगंगानगर
मो.नं. 98871-22040

महत्व पाने के लिए अपने व्यक्तिव को बनाए विराट : एडीएम छींपा

● टांटिया यूनिवर्सिटी व महिला एवं बाल विकास विभाग के आयोजन में रही चेयरपर्सन सुनीता टांटिया उपस्थित

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। टांटिया यूनिवर्सिटी के वुमन इंपावरमेंट सेल और महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को महिला दिवस कार्यक्रम हुआ। अध्यक्षता यूनिवर्सिटी की चेयरपर्सन श्रीमती सुनीता टांटिया ने की।

मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) श्रीमती रीना छींपा और विशिष्ट अतिथि महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक श्रीमती सुमित्रा बिश्नोई और एसजीएसटी की उपायुक्त नीतू सैन थीं। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. (डॉ.) एमएम सक्सेना, आर्किटेक्ट अमीषा टांटिया, लॉन टेनिस की खिलाड़ी श्रीमती कोमल अग्रवाल, सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहा, यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेंद्र गोदारा, श्रीमती रेणु अग्रवाल, लॉ के डीन डॉ. सौरभ गर्ग, फिजिकल एजुकेशन के डॉ. सुरजीत कस्वां और इवेंट मैनेजर डॉ. आरके बिश्वास सहित काफी लोग मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि एडीएम छींपा ने कहा कि स्नातक के बाद युवतियों और महिलाओं के पास करियर बनाने के लिए काफी कम समय होता है। इसलिए इंतजार मत कीजिए, आप स्कूल-कॉलेज की प?ाई के दौरान ही करियर की तैयारी आरंभ कर दें। समाज में महत्व पाने के लिए अपने व्यक्तित्व को विराट बनाएं। अपना करियर बना लेने के बाद वैवाहिक जीवन शुरू करने वाली महिलाएं समाज में पूरा योगदान दे पाती हैं। उन्होंने कहा कि बुद्धिमान महिलाओं से ज्यादा सुंदर कोई भी नहीं है।

कुलपति प्रो. (डॉ.) एमएम सक्सेना ने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में भले ही परिवार हो या ऑफिस हमें महिला शक्ति का पूरा सहयोग मिलता है। वे एक कदम आगे बढ़कर हमें सहायता देती हैं। उन्होंने नारी का सम्मान करने का आह्वान करते हुए कहा कि इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक सुमित्रा बिश्नोई ने कहा कि हमें करियर की शुरुआत से ही अपनी सोच स्पष्ट रखनी होगी। पहले हम यह तय करें कि हमें क्या बनना है। तकनीक के वर्तमान युग में आपको पढ़ाई से संबंधित जो भी सामग्री चाहिए वह अपको तकनीक की सहायता से मिल ही जाएगी। अमीषा टांटिया ने कहा कि वर्तमान दौर में महिलाएं पूरी शक्ति के साथ काम कर रही हैं। नारी एक ऊर्जा है जो समाज को ऊपर उठाती हैं। होम्योपैथी की पुस्तक 'रोड टू रिकवरी' व वुमन इंपावरमेंट सेल की संयोजक डॉ. रेखा सोनी की पुस्तक सोशल साइकोलॉजी का विमोचन किया गया। इस मौके पर हर्षा एंड ग्रुप ने नाटक का मंचन किया। जश्नप्रीत कौर ने जर्नी ऑफ होशियार लड़की एकाभिनय प्रस्तुत किया। पिछले दिनों हुई पोस्टर प्रतियोगिता के प्रथम विजेता संजय, मनीष, महर्षि, किया और अक्षरा, द्वितीय विजेता करण, सुनील, अश्मीन और जसप्रीत व तृतीय विजेता मानसी, संजना, रिया गुप्ता, खुशी, मनाली, खुशीप्रीत और भागीरथ को अतिथियों ने सम्मानित किया। मंच संचालन यूनिवर्सिटी के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. पीसी आचार्य और असिस्टेंट प्रोफेसर संगीता अग्रवाल ने किया। वुमन इंपावरमेंट सेल के स्वरोजगार पाठ्यक्रमों के पोस्टर मॉर्डन मैजिस्टी का विमोचन भी किया गया।

बिहाणी शिक्षा महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएं

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। सेठ सुशील कुमार बिहाणी एसडी शिक्षा महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के महिला अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अकादमिक निदेशक डॉ. कविता चौधरी एवं अन्य स्टाफ सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया कुकिंग प्रतियोगिता में डॉ. रेणु गोयल ,मेहंदी प्रतियोगिता में कुमारी निकिता शर्मा, हेयर स्टाइल प्रतियोगिता डॉ आभा धीगडा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका डॉ. कविता चौधरी, श्रीमती अल्का माथुर एवं श्रीमती पार्वती ने निभाई। कार्यक्रम में म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता कराई गई जिसमें बीए बीएड प्रथम वर्ष के छात्र यश वर्मा की अभिभावक श्रीमती रोशनी

ने जीत हासिल की। डी.एल.एड. की छात्रा सिमरनजीत ने सुंदर गीत प्रस्तुत किया। (बी.एड.प्रथम वर्ष) के छात्र विजय एवं रीना (बीए बीएड द्वितीय वर्ष) ने मनमोहक गाना प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं कराई गई। अभिभावकों में बेस्ट ट्रेडिशनल अटायर का पुरस्कार श्रीमती अनीता, बेस्ट एसथेटिक सेंस श्रीमती कविता चावला और वीमेन ऑफ़ द डे का पुरस्कार श्रीमती पूजा शर्मा को प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ.आभा धींगडा ने सभी को धन्यवाद प्रेषित किया एवं कार्यक्रम के आयोजक शिक्षा महाविद्यालय के व्याख्याता श्रीमती श्रुति और डॉ. संगीता लाटा थे।

बीकानेर से पोस्त ले जाकर पंजाब-हरियाणा में तस्करी

जनमार्ग न्यूज।

सिरसा। सिरसा जिला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ऐलनाबाद में पुलिस ने एक कार से 120 किलो 440 ग्राम डोडा चूरा पोस्त बरामद किया है। पुलिस ने पंजाब के पटियाला जिले के रहने वाले जसवीर सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि एलनाबाद सीआईए टीम को सूचना मिली थी। एक व्यक्ति राजस्थान से भारी मात्रा में डोडा पोस्त लेकर ऐलनाबाद की तरफ आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने बेहर वाला रोड तलवाड़ा खुर्द क्षेत्र में

नाकाबंदी की। डीएसपी संजीव कुमार की मौजूदगी में कार की तलाशी ली गई। इस दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में डोडा चूरा पोस्त बरामद किया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह यह नशीला पदार्थ बीकानेर से लाया था।

नशे में कीटनाशक सेवन से मृत्यु

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। नई मंडी घड़साना थाना इलाके में शराब के नशे में कीटनाशक दवा का सेवन करने से एक युवक की मृत्यु हो गई। पुलिस के मुताबिक चक 15-एच हिशामकी निवासी गोवर्धन सांसी (21) ने विगत एक मार्च को शराब के नशे में कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया था। उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल में लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार देने के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। उसका बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था।

सूरतगढ़ में प्रयागराज गए परिवार के सूने मकान में चोरी

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। सूरतगढ़ में सब जेल के पीछे रहने वाला एक परिवार विगत 26 जनवरी को प्रयागराज महाकुंभ के लिए गया और 12 फरवरी को वापस आया तो घर में चोरी होने का पता चला। इस चोरी का मुकदमा पीड़ित हनुमान सोनी द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर अब दर्ज किया गया है। जांच कर रहे हवलदार धूपसिंह ने बताया कि हनुमान सोनी के घर में चोरी करने वाले एक युवक की पहचान हो गई है। सन्नी नामक इस युवक को कुछ दिन पहले चोरी की एक अन्य वारदात में गिरफ्तार किया गया था, जो अभी जेल में है। उसे जल्दी ही प्रोडक्शन वारंट से हिरासत में लेकर इस चोरी के बारे में पूछताछ की जाएगी। हनुमान सोनी ने पुलिस को बताया कि उसके घर से 1लाख 70 हजार रुपए नगद, चांदी के 12 सिक्के,एक गिलास तीन चांदी के गेडिया आदि जेवरात चोरी हो गये।

घरेलू संपति विवाद को लेकर ओवरहैड टैंक पर चढ़ी दो युवतियां

● प्लॉट हड़पने व मकान में तोड़फोड़ करने का लगाया आरोप

जनमार्ग न्यूज।

गोलूवाला। घरेलू संपति विवाद में पुलिस कार्रवाई से खफा दो युवतियां शनिवार को निवादान स्थित वाटर वर्क्स के ओवर हेड पर चढ़ गई। मामले की सूचना पाकर मौके पर थानाप्रभारी राकेश सांखला व प्रशासनिक अमला पहुंचा। ओवर हैड पर चढ़ी युवती पूनम व रूबी के सिहागान के वार्ड नं 10 की रहने वाली है ।दोनों युवतियां करीब 12 बजे ओवर हेड पर चढ़ी और लगभग चार घण्टे बाद पुलिस ने समझाईश कर नीचे उतार लिया। थाना प्रभारी राकेश सांखला ने बताया कि ओवर हेड पर चढ़ी युवतियों के अपने दादा व ताऊ के साथ पास में ही स्थित एक प्लाट का

विवाद जो कि इनके ताऊ का बताया जा रहा है। इस प्लॉट को लेकर सालभर पहले भी युवती की माँ के खिलाफ उसके जेठ ने मामला दर्ज करवाया था जिसकी जांच चल रही है ।दोंनो युवतियों ने अपनी माँ सहित शुक्रवार को एसपी के पास भी शिकायत लेकर गयी थी जो कि एसपी द्वारा आदेश देने पर पुलिस जांच कर रही थी। युवतियों के आरोप था कि उसके दादा व ताऊ एक राय होकर हमारा प्लॉट हड़पना चाहते हैं तथा 5 मार्च को जबर्दस्ती घर मे घुसकर मारपीट करते हुए उनके मकान में तोड़फोड़ कर दी पुलिस में शिकायत करने के बावजूद पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं कि गई ।पुलिस व जनप्रतिनिधियों द्वारा समझाईश करते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की सहमति पर दोंनो युवतियां नीचे उतरी।

दुल्हन पति को बेहोश कर गहने-नगदी सहित फरार

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। हनुमानगढ़ जिले के भादरा थाना क्षेत्र में शादी के दो हफ्ते बाद ही दुल्हन रात को पति को बेहोश कर गहने तथा नगदी सहित फरार हो गई। पति ने दुल्हन और उसकी शादी करवाने वालों के खिलाफ धोखाधड़ी जालसाजी और चोरी का मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस के अनुसार गांव मूंदड़िया बड़ा निवासी जयवीर जाट (35) द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर नोहर थाना क्षेत्र में सरदारपुरा वास निवासी सुरेश मील तथा दुल्हन संगीता शर्मा (पुत्री शंकर शर्मा) निवासी कटरिया टोला अर्जुनपुर, बिहार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाया है। जयवीर जाट ने बताया कि संगीता से उसकी शादी बिहार में 23 फरवरी को हुई थी। वह दुल्हन को लेकर 25 फरवरी को अपने घर आया था। विगत 5-6 मार्च की रात को संगीता ने उसे खाने में कोई नशीली वस्तु खिला दी, जिससे वह रात को गहरी नींद सो गया। रात्रि को किसी समय संगीता उसके घर से सोने चांदी के जेवरात तथा नगद राशि लेकर गायब हो गई। उसे अगले दिन सुबह गहरी नींद से होश आया। संगीता के घर नहीं मिलने पर उसने सुरेश मील तथा उसके साथ उसकी शादी करवाने में शामिल जयपाल से बात की तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

अनूपगढ़ से दिल्ली-अमृतसर तक रेल सेवा की मांग

❑ जैतसर में बाईपास और ट्रेन टाइमिंग में बदलाव के लिए रेल राज्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

जनमार्ग न्यूज।

अनूपगढ़। अनूपगढ़ रेल विकास समिति ने रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को ज्ञापन सौंपा है। समिति ने अनूपगढ़ से दिल्ली, अमृतसर और हरिद्वार तक रेल सेवाएं शुरू करने की मांग की है। समिति के प्रवक्ता ओम चुघ ने एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि तिलक ब्रिज दिल्ली से भिवानी जाने वाली रेलगाड़ी को एक अतिरिक्त रैक के साथ अनूपगढ़ तक बढ़ाया जा

सकता है। समिति ने कई अन्य मांगें भी रखीं। जैतसर के पास रेलवे बाईपास बनाने की मांग की गई है। इससे अनूपगढ़ का जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर से सीधा जुड़ाव हो सकेगा। बठिंडा-सूरतगढ़ रूट की ट्रेन संख्या 59711 का समय दोपहर 2 बजे करने का प्रस्ताव रखा गया। साथ ही, अनूपगढ़ से सूरतगढ़ जाने वाली शाम की ट्रेन का विस्तार हनुमानगढ़ तक करने की मांग की गई। समिति के संरक्षक गंगाबिशन सेतिया ने बताया कि अनूपगढ़ अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्र का अंतिम रेलवे स्टेशन है। यहां से दिल्ली, हरिद्वार, डेरा ब्यास और अमृतसर की रेल सेवाओं की मांग लंबे समय से की जा रही है। इस संबंध में रेलवे बोर्ड और उत्तर पश्चिम रेलवे मंडल के अधिकारियों को भी पहले अवगत करवाया जा चुका है।

कपास चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

● श्रीगंगानगर में 25-30 क्विंटल नरमा चोरी का मामला

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर के जैतसर कस्बे में नरमा कपास चोरी के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अब तक चार में से तीन आरोपियों को पकड़ लिया है। हितेन कॉटन फैक्ट्री के डायरेक्टर नरेश राठी ने 5 जनवरी 2025 को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि गांव 3 एलसी स्थित उनकी फैक्ट्री से 25-30 क्विंटल नरमा कपास चोरी हो गई थी। पुलिस थाना हवलदार सज्जन सिंह के अनुसार, पुलिस ने मिट्ठू सिंह (25) और गुरमीत सिंह उर्फ निक्कू (38) को गिरफ्तार किया है। दोनों 15 एनपी के रहने वाले हैं। पुलिस ने चोरी किया गया नरमा कपास भी बरामद कर लिया है। न्यायालय के आदेश पर दोनों आरोपियों को सूरतगढ़ जेल भेज दिया गया है। इससे पहले पुलिस 22 एनपी निवासी मंजीत सिंह को गिरफ्तार कर चुकी है। चौथे आरोपी राजुराम की तलाश जारी है। वह 26 एनपी का रहने वाला है।

कैलिफोर्निया भेजने के नाम पर पौने तीन लाख की ठगी

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। स्थानीय महावीर शॉपिंग सेंटर के समीप कुल्चों की दुकान करने वाले एक शख्स ने उसके बेटे को कैलिफोर्निया (अमेरिका) भेजने और वहां होटल में कुक की नौकरी दिलाने का झांसा देकर लगभग पौने 3 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में एक दंपती समेत तीन व्यक्तियों के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस के मुताबिक पी-ब्लॉक निवासी ऋषि मिड्ढा द्वारा अदालत में दायर किए इस्तगासा के आधार पर डी-ब्लॉक में वकीलों वाली डिग्गी के नजदीक शिव शक्ति एंटरप्राइजेज के संचालक, अनिल टाक, रोहित सारसर उसकी पत्नी फिलिपींस निवासी पॉओ लिन आदि के विरुद्ध धोखाधड़ी वह जालसाजी का मुकदमा दर्ज करवाया है। ऋषि मिड्ढा ने बताया कि वह महावीर शॉपिंग सेंटर में केजी कुल्चा के नाम से रेस्टोरेंट चलता है। उसका बेटा मेहुल 12वीं तक शिक्षित है, जिसे वह विदेश भेजने चाहता था ।उक्त आरोपी 13 अगस्त 2023 को उसके रेस्टोरेंट में आए और बताया कि उनके विदेशी दूतावासों में बड़े स्तर पर अच्छी जान पहचान है। वह उसके बेटे को दुबई तथा ओमान के रास्ते कैलिफोर्निया (अमेरिका) भिजवा देंगे। वहां उनके एक दोस्त का आयरन कुक के नाम से रेस्टोरेंट है। मेहुल को वहां कुक की नौकरी दिलाने के साथ परमानेंट रेजिडेंसशीप (पीआर) भी दिला देंगे। ऋषि मिड्ढा के मुताबिक रोहित सारसर ने कहा कि उसकी पत्नी पॉओ लिन फिलिपींस की स्थाई निवासी है। वे अपने विदेशी संपर्कों के माध्यम से लोगों को नौकरी दिलवाते हैं। उन्होंने कहा कि मेहुल को दुबई भेजने का खर्चा 2 लाख 67 हजार रुपए बताया। दुबई के बाद अमेरिका भिजवाने और नौकरी दिलवाने का 20 लाख रुपए उन्होंने खर्चा बताया ।ऋषि के अनुसार उसने अलग-अलग तारीखों में कुल मिलाकर 2लाख 67 हजार रुपए रुपए उक्त आरोपियों को दे दिए ।उन्होंने जल्दी ही मेहुल का वीजा और हवाई टिकट देने का आश्वासन दिया। आरोपियों ने 18 मार्च 2024 की तारीख में दिल्ली से दुबई की टिकट हो जाने का व्हाट्सएप पर मैसेज भिजवाया, लेकिन वीजा नहीं दिलवाया। रोहित ने आश्वस्त किया कि वह अपनी पत्नी सहित मेहुल को दुबई छोड़कर आएंगे ।फिर उन्होंने 12 मई 2024 की दुबई की टिकट भिजवाई और ऐनवक्त पर टालमटोल कर गए। इसके बाद 28 मई को रोहित और पॉओ लिन ने आगे की व्यवस्था करने के लिए मोहित की टिकट का प्रिंट आउट भेजा ताकि उसे विश्वास हो जाए कि वह मेहुल को विदेश भिजवाने का प्रयास कर रहे हैं। उक्त तिथि पर दुबई जाने का समय आया तो कहा कि पॉओ लिन का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। इसलिए कुछ दिन रुकना पड़ेगा। फिर उन्होंने कहा कि दूतावास में उनकी पहचान वाला व्यक्ति छुट्टी पर है। इस प्रकार टालमटोल और बहाने बनाते रहे। उसके बेटे को विदेश नहीं भेजा। सितंबर 2024 में कुछ मौजिज व्यक्तियों को साथ लेकर उसने पंचायत की। उक्त आरोपियों ने उसके बेटे को विदेश भेजने और उसे लिए हुए 2 लाख 67 हजार रुपए वापस देने से इनकार कर दिया।

स्कूल बस की टक्कर से वेटरनरी डॉक्टर गंभीर घायल

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। सादुलशहर थाना क्षेत्र में गांव छापावाली के नजदीक एक स्कूल बस की टक्कर लगने से मोटरसाइकिल पर जा रहा एक वेटरनरी डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार विगत एक मार्च को सुबह 8ः45 बजे हुई। इस दुर्घटना में गंभीर घायल हुए वेटरनरी डॉक्टर समीर का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसके पिता छगनलाल निवासी राजपुरा,जयपुर द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर बस चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। दुर्घटना में समीर के हाथ, पैर तथा सिर पर काफी गंभीर चोटें आई हैं।

अदालतों में 15 मार्च को अवकाश घोषित करने का आग्रह

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। राजस्थान न्याय कर्मचारी संघ ने आगामी 15 मार्च को अदालतों में अवकाश घोषित करने का आग्रह जोधपुर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से किया है। संघ के प्रदेशध्यक्ष सुरेंद्र नारायण जोशी ने रजिस्टार जनरल को भेजे पत्र में बताया है कि 13 और 14 मार्च को होली का अवकाश है ।अधिकांश अधिकारी, कर्मचारियों तथा अधिवक्ता मुख्यालय से दूरस्थ निवास करते हैं, जो इस पर्व पर अपने गृह निवास पर जाएंगे। उन्होंने बताया कि 15 मार्च को शनिवार है और उस दिन अदालतों में कार्य दिवस है। इसके अगले दिन 16 मार्च को राजपत्रित अवकाश यथा रविवारीय अवकाश है। इस प्रकार उक्त राजपत्रित अवकाश तथा होली अवकाश के मध्य 15 मार्च को कार्य दिवस आ रहा है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692